दैनिक नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
RNI NO. MPHIN/37471 जबलपुर, मंगलवार 22 मार्च 2022, कार्तिक शुक्ल पक्ष दसवी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-03 अंक- 110 पृष्ठ- 08 मूल्य-3 रुपए -जबलपुर, भोपाल, छत्तीसगढ़ बिलासपुर, झारखंड से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

पद्म अवॉर्ड्स 2022 : 126 साल के स्वामी शिवानंद के सम्मान में झुकी सरकार, योग के लिए पद्मश्री से नवाजे गए

नई दिल्ली

वाराणसी के 126 साल के स्वामी शिवानंद, नंगे पैर पद्मश्री अवॉर्ड लेने पहुंचे। लेकिन, माहौल उस वक्त भावुक हो गया जब शिवानंद अवॉर्ड लेने से पहले पीएम मोदी को नमस्कार करने घुटनों के बल बैठ गए। शिवानंद के ये भाव देखकर पीएम मोदी भी अपनी कुर्सी से उठकर शिवानंद के सम्मान में झुक गए।

स्वामी शिवानंद राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के सामने भी घुटनों पर बैठ गए। लेकिन राष्ट्रपति कोविंद ने उन्हें झुककर उठाया। स्वामी शिवानंद को भारतीय जीवन पद्धति और योग के के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए पद्मश्री सम्मान दिया गया है। राष्ट्रपति भवन में 126 साल के स्वामी ने अपनी फिटनेस से सबको चौंका दिया।

बाबा शिवानंद की चमत्कार भरी यात्रा

बाबा शिवानंद का जीवन किसी चमत्कार से कम नहीं है। 1896 में जन्मे बाबा शिवानंद बंगाल से काशी पहुंचे। गुरु ओंकारानंद से शिक्षा लेने के बाद वे योग और धर्म में बड़े प्रकांड पुरुष साबित हुए। 6 साल की उम्र बहन, मां और पिता की मौत एक महीने के अंदर ही हो गई। उन्होंने मोहवश माता-पिता को मुखाग्नि देने से ही इंकार कर दिया।

कर्मकांडियों के घोर विरोध के बाद भी चरणाग्नि ही दी।

1925 में उनके गुरु ने उन्हें विश्व भ्रमण का निर्देश दिया। 29 साल के शिवा लंदन गए और लगातार 34 साल तक भ्रमण ही करते रहे। अमेरिका, यूरोप, आस्ट्रेलिया, रूस आदि देशों की यात्रा से लौटकर जब वह स्वदेश आए तो भारत तब तक अपना 9वां गणतंत्र दिवस मना रहा था। बाबा आज भी ब्रह्मचर्य के नियम का पालन करते हैं। उबला भोजन और सब्जी ही खाते हैं।

राष्ट्रपति कोविंद ने सीडीएस रावत की बेटियों को दिया पद्म विभूषण, गुलाम नबी आजाद पद्म भूषण से सम्मानित

नई दिल्ली। भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया है। राष्ट्रपति कोविंद ने सीडीएस की दोनों बेटियों कृतिका और तारिणी को पद्म विभूषण दिया। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद को भी सार्वजनिक मामलों के क्षेत्र में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

वाराणसी में दिनदहाड़े एनकाउंटर, UP-STF ने कुख्यात बदमाश मनीष सिंह को किया ढेर

वाराणसी। UP-STF ने वाराणसी के लोहता में सोमवार को दो लाख रुपए के इनामी बदमाश मनीष सिंह सोनू को मुठभेड़ में मार गिराया। मनीष के पास से 9 एमएम की कार्बाइन, .38 बोर की पिस्टल और 20 कारतूस बरामद हुए हैं। उस पर साल 2007 से लेकर अब तक वाराणसी सहित पूर्वांचल के अलग-अलग जिलों में हत्या, लूट और रंगदारी के 32 से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे।

काला हिरण शिकार मामले में सलमान खान को राहत, कोर्ट ने तबादला याचिका मंजूर की

नई दिल्ली। काला हिरण शिकार मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने एक्टर सलमान खान को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने सलमान की तबादला याचिका को मंजूर कर लिया है। अभिनेता से जुड़ी याचिकाओं पर अब हाईकोर्ट में सुनवाई होगी।

एन बिरेन सिंह दोबारा बने मणिपुर के CM, इंफाल में शपथ ग्रहण की

नई दिल्ली। एन बिरेन सिंह ने इंफाल में दोबारा मणिपुर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। कई दिनों तक चली चर्चा के बाद पार्टी हाईकमान ने बिरेन सिंह पर भरोसा जताया। इसके बाद मणिपुर के राज्यपाल एल गणेशन ने विधायक दल के नेता और कार्यवाहक मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह को अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बोले- मोदी सरकार POK को आजाद कराएगी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने अनुच्छेद 370 रद्द किया, उसी तरह पीओके को मुक्त करवाया जाएगा और इस देश का अभिन्न अंग बनाया जाएगा। जितेंद्र सिंह कठुआ में जम्मू-कश्मीर के संस्थापक महाराज गुलाब सिंह की 20 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे।

दिल्ली से दोहा जा रही फ्लाइट कराची डायवर्ट, 100 से ज्यादा यात्री हैं सवार

नई दिल्ली। कतर एयरवेज की दिल्ली से दोहा जा रही फ्लाइट को तकनीकी कारणों के चलते पाकिस्तान के कराची एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया है। फ्लाइट नंबर- **QR**579 में 100 से ज्यादा यात्री सवार हैं। एक कार्डियोलॉजिस्ट समीर गुप्ता ने ट्वीट कर इसकी शिकायत की है। उन्होंने लिखा, **QRz**79 का स्टेटस क्या है - दिल्ली-दोहा फ्लाइट, कराची की ओर डायवर्ट की गई? कोई जानकारी नहीं दी जा रही है, यात्रियों को कोई सुविधा नहीं दी जा रही है। कस्टमर केयर को कुछ पता नहीं है। हमें मदद की जरूरत है।

आज बेबाक

किसान आंदोलन की आड़ में अपनी राजनीति चमकाने वाले कथित किसान नेताओं के लिए पांच राज्यों के चुनाव परिणाम किसी गहरे सदमे से कम नहीं है। पंजाब में तो किसान नेता अपनी जमानत नहीं बचा पाएं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी किसानों ने राष्ट्रीय लोक दल और सपा के गठबंधन को नकार दिया। खुद को शेर समझने वाले और सबकी बक्कल उतारने पर उतारू किसान नेता राकेश टिकैत अब भीगी बिल्ली बन गए है। पूरे आंदोलन के दौरान हरा साफा बांधने वाले राकेश टिकैत अब केसरिया साफा पहनने लगे है। देखना दिलचस्प होगा कि बुलडोजर बाबा उनपर कैसी कृपा करते है?

सूर्योदय

उदय : 6.36 प्रात:

अस्त : 6.28 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,932,474,810

भारत : 1,403,313,410

बाजार

सेंसेक्स : 55464.39

निफ्टी : 16594.90

गोल्ड : 52,580 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 69,400 प्रति किग्रा

अण्डा दर : 3.71 प्रति नग

पंजाब सरकार में मंत्रियों को विभागों का बटवारा

हरपाल चीमा वितमंत्री; मीत हेयर को शिक्षा और सेहत डॉ. विजय सिंगला को, गृह विभाग CM भगवंत मान के पास रहेगा

चंडीगढ़

शपथ ग्रहण के 2 दिन बाद पंजाब सरकार के मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कर दिया गया है। सबसे अहम गृह और कर एवं आबकारी मंत्रालय सीएम भगवंत मान के पास रहेगा। हरपाल चीमा को पंजाब का नया वित्त मंत्री बनाया गया है। सबसे चुनौती वाला शिक्षा विभाग गुरमीत सिंह मीत हेयर दिया गया है। हरजोत बैंस को कानून और टूरिज्म मंत्री बनाया गया है। हरभजन सिंह ETO बिजली मंत्री होंगे। डॉ. बलजीत कौर को सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय दिया गया है। लालचंद कटारूचक्क को फूड एवं सिविल सप्लाई मंत्री बनाया गया है। लालजीत भुल्लर को ट्रांसपोर्ट मंत्री बनाया गया है।

ब्रह्मशंकर जिंपा को वाटर सप्लाई और कुदरती आपदा प्रबंधन मंत्री बनाया गया है। सेहत विभाग डॉ. विजय सिंगला को दिया गया है। कुलदीप धालीवाल को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री बनाया गया है। मंत्रियों को साथ में कुछ और विभाग भी दिए गए हैं। इस बारे में सरकार की तरफ से अभी औपचारिक घोषणा होनी बाकी है।

7 मंत्रियों के लिए अभी भी जगह

पंजाब में मुख्यमंत्री समेत 18 मंत्री बन सकते हैं। इनमें भगवंत मान सीएम बन चुके हैं। इसके अलावा 10 मंत्रियों ने कल शपथ ले ली। हालांकि अब 7 मंत्रियों की जगह बची है। यह पद आप सरकार कब भरती है, इसको लेकर सबकी नजर है।

पुष्कर सिंह धामी होंगे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री 23 मार्च को लेंगे शपथ, राजनाथ ने कहा था फ्लावर भी हैं और फायर भी

नई दिल्ली। पुष्कर सिंह धामी एक बार फिर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बनेंगे। भाजपा विधायकों की बैठक में ?उन्हें सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। बैठक में भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह और मीनाक्षी लेखी भी मौजूद रहे। वे 23 मार्च को राज्य के सीएम पद की दूसरी बार शपथ लेंगे।दरअसल पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा चुनाव में खटीमा सीट से हार जाने के कारण अन्य नेता भी सीएम पद के लिए दावेदारी करने लगे थे। चुनाव प्रचार के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा था धामी फ्लावर भी हैं और फायर भी। 16 सितंबर 1975 को पिथैरागढ़ के तुंडी गांव में जन्मे पुष्कर सिंह धामी की पार्टी में मजबूत पकड़ है। वे उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के करीबी हैं। इसके अलावा धामी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भी करीबी माने जाते हैं। जब उत्तराखंड अलग राज्य बना था, तब धामी भारतीय जनता युवा मोर्चा के राज्य के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पुष्कर सिंह धामी 2012 में पहली बार खटीमा सीट से विधायक बने। उन्होंने तब कांग्रेस के देवेंद्र चंद को करीब 5 हजार वोटों से अंतर से हराया था। 2017 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में धामी ने खटीमा से लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। इस बार उन्होंने कांग्रेस के भुवन चंद्र कापड़ी को 3 हजार से कम अंतर से हराया। वह उत्तराखंड के 11वें मुख्यमंत्री बने। इस बार कापड़ी ने उन्हें छह हजार वोटों से हरा दिया है।

भाजपा समर्थक पत्नी को घर से निकाला, पति ने दी तलाक की धमकी

बरेली। यूपी के विधानसभा चुनाव में एक मुस्लिम महिला का भाजपा प्रेम उसके प्रेम विवाह पर भारी पड़ गया है। घटना बरेली की है। यहां महिला ने पुलिस से शिकायत की है कि भाजपा को वोट देने के कारण पति ने उसे घर से निकाल दिया। अब वह तीन तलाक देने की धमकी दे रहा है। पीड़िता का कहना है कि एक साल पहले उसने लव मैरिज की थी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति और अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। उधर, इस मामले को राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी नोटिस में लिया है। आयोग की चेयरपर्सन रेखा शर्मा ने **UP DGP** को पत्र लिखा है। इसमें आरोपी पति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा है। आयोग ने 7 दिन में पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है।

यूपी के बुलंदशहर में सिरफिरे युवक ने 7 लोगों को फावड़े से काटा, 2 की मौत, 5 गंभीर

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के जनपद बुलंदशहर में थाना खानपुर क्षेत्र के परवाना गांव में सिरफिरे युवक ने किसानों और राहगीरों पर फावड़े से जानलेवा हमला कर दिया. हमले के दौरान एक महिला सहित दो किसानों की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं, पांच लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं. मक्के के खेत में काम करने के दौरान सिरफिरे को अचानक सनक चढ़ गई. जिसके बाद खेत में मक्का लगा रहे लोगों पर सिरफिरे युवक ने एक के बाद एक प्रहार करता रहा।

कृषि कानूनों पर बड़ा खुलासा: रद्द किए गए कृषि कानून से 86% किसान संगठन खुश थे, सुप्रीम कोर्ट की कमेटी की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार की तीन कृषि कानूनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की पैनल ने एक बड़ा दावा किया है। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि 86त्न किसान संगठन सरकार के कृषि कानून से खुश थे। ये किसान संगठन करीब 3 करोड़ किसानों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

इसके बावजूद इन कानूनों के विरोध में कुछ किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल गुरु नानक देव की जयंती 19 नवंबर को इन कानूनों को रद्द करने का ऐलान किया था। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए जनवरी 2021 में तीनों कृषि कानूनों की जमीनी सच्चाई जानने के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी में कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी, शेतकारी संगठनों से जुड़े अनिल धनवत और प्रमोद कुमार जोशी को शामिल किया था। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक कमेटी ने मार्च 2021 में अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी थी। रिपोर्ट में सरकार को कृषि कानून से जुड़े सुझाव भी दिए गए हैं। स्ष्ट की कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है फसल खरीदी और अन्य विवाद सुलझाने के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत है। कमेटी ने सुझाव दिया कि इसके लिए किसान अदालत जैसा निकाय बनाया जा सकता है। कमेटी ने यह भी कहा है कि कृषि के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए एक बॉडी बनाने की जरूरत है। कमेटी की रिपोर्ट जल्द ही सार्वजनिक होने का अनुमान है। प्रधानमंत्री के कृषि कानून रद्द करने की घोषणा के बाद दिसंबर 2021 में किसान संगठनों और सरकार के बीच अंतिम दौर की बातचीत में कई मुद्दों पर सहमति बनी थी। इनमें स्रस्क्क तय करने पर कमेटी बनाने, मृत किसानों को मुआवजा देने और किसानों पर आंदोलन के दौरान लगे मुकदमे हटाने पर सहमति बनी थी।

मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार ने मांगे जनता से सुझाव ताकि सरकारी योजनाओं का हो प्रभावी क्रियान्वयन

भोपाल । सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली परेशानियों को दूर करने और उन्हें प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनता से सुझाव मांगे हैं। इसमें प्रधानमंत्री आवास के लिए सस्ती दर पर आसानी से रेत उपलब्ध कराने के लिए कई व्यक्तियों ने सुझाव दिए हैं। रेत के डिपो खोलने, खदान क्षेत्रों में निश्शुल्क रेत उपलब्ध कराने, जनपद स्तर पर रेत का प्रबंध करने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास के लिए निर्धारित राशि एक लाख बीस हजार रुपये बढ़ाने का सुझाव दिया है। 25 मार्च तक प्राप्त होने वाले सुझावों पर मंत्री समूह विचार करके तय करेगा कि किस तरह सस्ती दर पर आसानी से रेत उपलब्ध कराई जा सकती है। नई व्यवस्था अप्रैल से लागू की जा सकती है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सरकार के निर्णयों में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न् योजनाओं को लेकर सुझाव मांगे हैं। प्रदेश में रेत खदानें ठेके पर दी जा चुकी हैं। एक प्रधानमंत्री आवास बनाने में दो से तीन ट्राली रेत लगती है। यह 15 से 20 हजार रुपये में मिलती है।

चीन में 132 पैसेंजर्स ले जा रहा प्लेन क्रैश: पहाड़ियों में विमान गिरते ही लगी आग, लैंडिंग से 43 मिनट पहले टूटा था संपर्क, कई मौतों की आशंका

बीजिंग।

चीन के गुआंग्शी में सोमवार दोपहर एक बड़ा विमान हादसा हो गया। 132 पैसेंजर्स को ले जा रहा चाइना ईस्टर्न पैसेंजर एयरलाइंस का विमान गुआंग्शी की पहाड़ियों में क्रैश हो गया। इनमें 123 यात्री और 9 क्रू मेम्बर्स शामिल थे। जिस पहाड़ी पर यह विमान क्रैश हुआ है, वहां की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें दिखाई दे रहा है कि विमान क्रैश होने के बाद वहां के जंगल में आग लग गई।

इस हादसे में कितने यात्री मारे गए हैं, यह जानकारी अभी सामने नहीं आई हैं। हादसे की तस्वीरें देखकर कई यात्रियों के मारे जाने आशंका जाहिर की जा रही है।

लैंडिंग से 43 मिनट पहले टूटा विमान का संपर्क

चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, फ्लाइट रू5735 ने दोपहर सवा एक बजे कुनमिंग चांगशुई एयरपोर्ट से उड़ा भरी थी। ये फ्लाइट 3 बजे गुआंगझोऊ तक पहुंचनी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्लेन दो मिनट से भी कम समय में 30,000 फीट नीचे गिर गया।

उड़ान भरने के 71 मिनट बाद ये प्लेन हादसे का शिकार हो गया। लैंड करने से 43 मिनट पहले विमान का संपर्क,ञ्जष्ट से टूट गया था। यात्रियों को ले जा रहा विमान बोइंग 737 है। बोइंग साढ़े छह साल से एयरलाइंस में ऑपरेट हो रहा था। हादसे के बारे में चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का बयान नहीं आया है। इस मॉडल के विमान पहले भी कई बार हादसे का शिकार हो चुके हैं।

चीनी मीडिया के मुताबिक विमान गुआंग्शी के वूझोउ शहर के पास हादसे का शिकार हुआ। एक ग्रामीण ने बताया कि प्लेन के गिरते ही लगी आग से आसपास का जंगल आग में राख हो गया।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हादसे पर दुख जाहिर किया है। नागरिक उड्डयन प्रशासन ने कहा कि सीएएसी ने इमरजेंसी सिस्टम एक्टिव कर दिया है और एक रेस्क्यू टीम को भेजा है।

चीन में विमान दुर्घटना और एयरलाइन कंपनी के सभी 737-800 प्लेन की उड़ान बंद करने की घोषणा के बाद बोइंग के शेयरों में 8त्न तक की गिरावट आई है।

जलसंकट की आहट : धूमा में गहराने लगा पेयजल संकट

प्रशासनिक लापरवाही से परेशान हो रहे लोग

सिवनी (नव प्रदेश)। गर्मी की अभी शुरुआत ही हुई है लेकिन पानी की समस्या बढने लगी है। स्थिति यह है कि नदियों में पानी कम हो गया तो कई तालाब सूखने लगे हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि गर्मी के दिनों में पानी की विकराल समस्या का सामना करना पड़ेगा। नई ग्रामीण समूह पेयजल योजना भी इससे प्रभावित हो सकती है। वर्तमान में पानी 150 फीट नीचे खिसक गया है। यहां तक की सौ से अधिक नलजल योजना बंद पड़ी है। इधर पीएचई विभाग का दावा है कि वह बिगड़े पड़े हैंडपंप को सुधारा जाएगा और कम जलस्तर वाले हैंडपंप में पाइप डालकर गहराई बढ़ाई जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार लखनादौन तहसील की ग्राम पंचायत धूमा के रहवासी पिछले एक-दो महीने से लगातार पीने के पानी की समस्या को लेकर परेशान हो रहे हैं स्थानीय प्रशासन की लापरवाही के चलते पंचायत के सभी वार्डो में पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी नही पहुंच पा रहा है। बताया जाता है कि सप्ताह में एक या दो बार पीने के पानी की सप्लाई चालू की जाती है जिसके चलते पंचायतवासी पीने के पानी को लेकर काफी परेशान हो रहे है। उल्लेखनीय होगा कि पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते के प्रयासों से पीएचई विभाग के द्वारा दो नलकूप खनन कराए गए थे परंतु शासकीय राशि से खनन कराए गए नलकूपों में स्थानीय प्रशासन के द्वारा समय रहते किसी प्रकार की कोई व्यवस्थाएं नहीं कराई गई नतीजा यह है की वर्तमान में लोग बूंद-बूंद पानी को मोहताज हो रहे हैं एक-दो दिन पूर्व स्थानीय प्रशासन के द्वारा पूर्व में खनन हुए नलकूपों में मशीन डालकर यह जाहिर और खानापूर्ति करा दी गई कि उक्त नलकूप खनन में पानी की पर्याप्त मात्रा में नहीं है जबकि अधिकांश लोगों को संदेह है की उक्त खनन के नजदीक में कृषि कार्य हेतु कराए गए खनन और कुएं भी मौजूद है जिन पर पर्याप्त मात्रा में पानी मौजूद है। ग्राम वासियों का यह भी कहना है की 5-6 सरकारी कुआँ ओर पुराने हैंड पंप है इसकी साफ सफाई हो जाये और कुएं में हेड पम्प लग जाये तो लोगो को बहुत राहत मिलेगी।

सामुहिक दुष्कर्म के आरोपी भेजे गए जेल

सिवनी (नव प्रदेश)। जिले के कुरई थाना क्षेत्र एक गांव में 21 साल की युवती के साथ सामूहिक दुष्कृत्य का मामला सामने आया है। इस मामले में कुरई पुलिस ने शिकायत के बाद रविवार को तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। यहां से तीनों आरोपितों को जेल भेज दिया गया है वहीं रविवार को न्यायालय में युवती ने अपने बयान में दो अन्य आरोपितों के नाम बताए हैं, जिनमें एक गांव का सहायक सचिव भी शामिल है। दोनों ओरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कुरई टीआई जीएस उइके ने बताया है कि कुरई थाना के एक गांव में युवती के साथ शनिवार रात सामूहिक दुष्कृत्य होने की शिकायत मिली थी।पीड़ित युवती की नामजद शिकायत के बाद तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में एसपी कुमार प्रतीक ने बताया है कि कुरई थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव में शनिवार रात 21 वर्षीय युवती को उसके घर के पीछे के दरवाजे से पहचान का युवक हरिराम वर्मा उसे खलिहान में ले गया। यहां उसके साथी राहुल वर्मा ने दुष्कृत्य किया। इसके बाद विकास ठाकुर ने भी दुष्कर्म करने का प्रयास किया गया। किसी तरह युवती बच कर अपने घर पहुंची और स्वजन को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़ित युवती रविवार को इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने कुरई थाना पहुंची। युवती की नामजद रिपोर्ट पर पुलिस आरोपित हरिराम (25) पुत्र भगवत वर्र्मा, राहुल(25) पुत्र शोभराम वर्मा व विकास (23) पुत्र जगमोहन सिंह ठाकुर उको गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है, यहां से तीनों को जेल भेजा गया है। दो आरोपित और बढ़े- न्यायालय में युवती के बयान दर्ज कराए गए है।न्यायालय में दर्ज किए गए बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपित गांव के सहायक सचिव निरपत (25) पुत्र बृद्धूलाल वर्मा व वीरेंद्र (27) पुत्र महादेव वमा को रविवार शाम गिरफ्तार किया है। आरोपितों को सोमवार के दिन न्यायालय में पेश किया जाएगा।

दिशा कार्यक्रम के तहत कैरियर गाइडेंस तथा कैरियर हाउंसलिंग का आयोजन 26 को

सिवनी (नव प्रदेश)। जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी के मार्गदर्शन में बाल कांग्रेस द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु मार्गदर्शन, कैरियर गाइडेंस तथा कैरियर काउंसलिंग दिशा कार्यक्रम 26 मार्च 2022 को आयोजित है। दिशा कार्यक्रम का प्रथम भाग सुबह 10.30 बजे अतिथियों का स्वागत जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री राजकुमार खुराना द्वारा उद्बोधन के पश्चात दिशा कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मोटिवेशनल स्पीकर द्वारा कक्षा 3 से 9 के छात्र/छात्राओं तथा उनके अभिभावको को बच्चों के पढ़ाई के तरीके, मोबाइल और गैजेट्स के फायदे नुकसान, ऑनलाइन और आफलाइन क्लासेस अन्य गतिविधियों के साथ अभिभावको को प्रभावी मार्गदर्शन दिया जायेगा। 3 से 9 तक के छात्र/छात्राएँ व अभिभावक 26 मार्च को सुबह 10 बजे इंदिरा-भवन जिला कांग्रेस कार्यालय में उपस्थित होकर इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते है। %% दिशा %% कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आमंत्रित मोटिवेशनल स्पीकर कैरियर काउंसलर द्वारा 10 वी के छात्रों को किस तरह के विषयों का चुनाव कर अध्ययन करना होगा तथा 12 वी के बाद कैरियर का चयन कैसे करें, कैरियर के विविध क्षेत्र, कैरियर चयन के मापदंड कैसे बनाये, नई दुनिया-नए अवसर, खुद को पहचानने, विभिन्न कोर्सेस की जानकारी दी जायेगी। इसमें 10 से 12 तक के छात्र/छात्राएँ उनके अभिभावक 12. बजे कार्यक्रम स्थल में उपस्थित होकर कैरियर काउंसलिंग प्रोग्राम में शामिल हो सकते है। %% दिशा %% कार्यक्रम के इस सत्र में कैरियर काउंसलर एवं मोटिवेशनल स्पीच के लिए जबलपुर से श्री रूद्राक्ष पाठक जी को आमंत्रित किया गया है। %% दिशा %% कार्यक्रम में भाग लेने हेतु पंजीयन के लिए सोशल मीडिया पर लिंक में जाकर ऑनलाइन पंजीयन करा सकते है। आफलाइन पंजीयन के फार्म जिला कांग्रेस कार्यालय में उपलब्ध है दिनांक 25 मार्च 2022 को दोपहर 12 बजे तक %% दिशा %% कार्यक्रम में शामिल होने के लिए समस्त छात्र/छात्राए अपना निःशुल्क पंजीयन करा सकते है।

जिला कांग्रेस ने मनाया लोकतंत्र सम्मान दिवस

कांग्रेस यदि 05 वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लेती तो भाजपा की प्रदेश में कभी वापसी नही होती: राजिक अकील

सिवनी (नव प्रदेश)। मध्यप्रदेश की जनता का जनादेश 15 वर्ष के लम्बे अंतराल के बाद प्राप्त कर कमलनाथ जी ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और जनता से किये गये अपने वादों को कांग्रेस सरकार का प्राथमिक संविधान मानते हुए किसान कर्जमाफी, गौशाला निर्माण, सस्ती बिजली, शुद्ध के लिए युद्ध, माफिया से मुक्ति, ओबीसी आरक्षण में बढ़ोत्तरी, सामान्य को आरक्षण, वृद्ध एवं दिव्यांग पेंशन में बढ़ोत्तरी, कन्या विवाह सहायता राशि में बढ़ोत्तरी, राम वन गमन पथ का निर्माण, ओम् सर्किट निर्माण, महाकाल एवं ओमकारेश्वर मंदिर परिसर का विस्तार एवं विकास, सीता माता मंदिर निर्माण, मंहगाई भत्ते में बढ़ोत्तरी, मेट्रो रेल परियोजना, रोजगार में प्रदेश के युवाओं को 70 प्रतिशतत आरक्षण, महिला अपराधों में कमी, मग्निफिशेंट मध्यप्रदेश जैसे अनेको कार्य की शुरूआत कर प्रदेश की जनता को 15 वर्षो के बाद पहली बार विकास की सही पहचान बताई। कमलनाथ सरकार द्वारा एक वर्ष में किये गए कार्य और जनहित के निर्णयों ने शिवराज सरकार के 15 वर्षो के झूठ और भ्रम के शासन की पोल खोलकर रख दी। प्रदेश में शुरू हुए विकास के नए कीर्तिमानों ने बीजेपी की ध्यान भटकाव की राजनीति के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया। बीजेपी नेताओं को समझ आने लगा कि कमलनाथ सरकार यदि 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा करती है और उसके द्वारा शुरू किये गए कार्य पूर्ण होते है तो बीजेपी की भविष्य में वापसी की सभी संभावनाएं समाप्त हो जायेगी। मध्यप्रदेश के चहुमुखी विकास से तिलमिलाई बीजेपी ने लोकतंत्र का गला घोटकर अलोकतांत्रिक और संविधान विरोधी सरकार का गठन किया। उक्ताशय की बात प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कांग्रेस प्रवक्ता राजिक अकील द्वारा कही गई है उन्होने विज्ञप्ति में आगे कहा है कि जिला कांग्रेस द्वारा लोकतंत्र सम्मान दिवस के रूप में मनाया गया, पूज्य महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर जिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष असलम खान द्वारा माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार खुराना के नेतृत्व में पदयात्रा निकाली गई, यात्रा डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा स्थल पंहुचकर बाबा साहेब की प्रतिमा पर जिला कांग्रेस प्रवक्ता जे.पी.एस.तिवारी द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर ब्रजेशसिंह लल्लू बघेल, इमरान पटेल, मोहन ठाकुर, सुरेन्द्र करोसिया, अशोक चौबे, मदन सक्सेना, गेंदलाल भलावी, मोहनसिंह चंदेल, देवीसिंह चौहान, फईम अंसारी चिरचिरा, मनोज कुमरे चिरचिरा, नितेश बघेल डोभ, संदेश तिव्हन, सुशील ठाकुर, राजिक अकील, नितिन शुक्ला, पंकज बाउसकर, देवधर सक्सेना, सुमित मिश्रा, नईम खान, तबरेज अली, श्रीमती तृप्ति नामदेव, शीरी अफरोज, सोनी डागोर, कुमारी प्रीति राजपूत, श्रीमती ललिता बघेल, सुनीता वर्मा, ममता राजपूत, शिवसनोडिया, आनंद पंजवानी, विनोद नामदेव, मो. शाहिद, रामकुमार राय, विजय नामदेव, चंदनसिंह खताबिया, पवन चौहान, गंगा साहू, नब्बू भाई, मिर्जा फेसल बेग, प्रवेश बाबू भालोटिया, ओमउपाध्याय, ऋषभ ठाकुर, पियूष शाह, राकेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जावेद खान, सत्यम बघेल, साजिद (सज्जू) खान, सुशील सोनकेशरिया, शफीक बाबा, निखिल बघेल, पंकज साहू, गोविन्द्र सनोडिया, विजय सनोडिया, जयप्रकाश परिहार, नीलेश पालीवाल, नन्दू यादव, सुजीत गोदरे, ममतेश चौहान, आजम खान, आसिफ इकबाल, कफील खान, जितेन्द्र सनोडिया, उदय सिंह बघेल, श्याम डहेरिया, फयूम अंसारी, मुकेश गोल्हानी, राजू सनोडिया, नेमचंद जैन, चंदन सिंह राजपूत, उमेश सनोडिया, शिवदीप डहेरिया, नितिन डहेरिया राम सनोडिया सहित बडी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहें।

पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण वर्ष2022 के लिए समय सारिणी जारी

फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 04 अप्रैल को ,दावे-आपत्तियां 4 से 11 अप्रैल तक प्राप्त किए जाएंगे

नव प्रदेश सीधी । उप जिला निवार्चन अधिकारी (स्थानीय निवार्चन) बी के पाण्डेय ने जानकारी देकर बताया है कि मध्य प्रदेश राज्य निवार्चन आयोग द्वारा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण वष ्2022 की तैयारी के लिए निधार्रित समय सारिणी के द्वितीय चरण के शेष काय ्एवं अंतिम चरण का समय सारिणी (कायर्क्रम) जारी किया है।

जारी समय सारणी अनुसार वाषिर्क पुनरीक्षण कायर्क्रम 2022 की मतदाता सूची तैयार करने के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं मुख्य कायर्पालन अधिकारी जनपद पंचायत द्वारा दिनांक 16 माच ्2022 तक नवीन परिसीमन के आधार के आधार पर क्षेत्र विभाजन का चिन्हांकन करते हुए पंचायतवार वाड ्विभाजन का आधार पत्रक तैयार करना, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं मुख्य कायर्पालन अधिकारी जनपद पंचायत द्वारा दिनांक 23 माच ्2022 तक आधार पत्रक के अनुसार चिन्हित किये गये मतदाताओं को क्षेत्रवार (संबंधित ग्राम पंचायतध्वाड) कंट्रोल टेबल में यथास्थान शिफ्ट करना एवं मतदान केन्द्रों का चिन्हांकन एवं युक्तियुक्तकरण तथा मतदाताओं को तदानुसार लिंक करना, वेण्डर द्वारा दिनांक 24 माच ्2022 तक वेण्डर द्वारा चैकलिस्ट रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को जॉच हेतु सौपना, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दिनांक 25 माच ्2022 तक चैकलिस्ट की जॉच करना और जॉच उपरांत परिलाक्षित त्रुटियों को सुधारने के लिए चैकलिस्ट वेण्डर को वापस करना, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं वेण्डर द्वारा दिनांक 28 माच ्2022 तक त्रुटियों को सुधार कर कंट्रोल टेबल का परीक्षण करना एवं कंट्रोल टेबल का डिजिटल हस्ताक्षर से वेरिफिकेशन एवं एकीकरण कर फोटोरहित और फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची जनरेट करना एवं फोटोरहित प्रारूप मतदाता सूची वेबसाईट पर अपलोड करना, वेण्डर द्वारा दिनांक 01 अप्रैल 2022 तक फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का मुद्रण कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्रदाय करना एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को जॉच सूची और डुप्लिकेट सूची प्रदान करना, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दिनांक 04 अप्रैल 2022 तक फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का ग्राम पंचायत एवं अन्य विहित स्थानों पर सावर्जनिक प्रकाशन, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दिनांक 04 अप्रैल से 07 अप्रैल 2022 के मध्य प्रारूप मतदाता सूची का सावर्जनिक प्रकाशन किये जाने संबंधी प्रमाणपत्र स्कैन कर अपलोड करना, कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा दिनांक 04 अप्रैल से 07 अप्रैल 2022 के मध्य स्टेडिंग कमेटी की बैठकों का आयोजन, प्राधिकृत कमर्चारी द्वारा दिनांक 04 अप्रैल से 11 अप्रैल 2022 के दोपहर 03 बजे तक दावे आपत्ति केन्द्र पर दावे आपत्ति प्राप्त करने की अवधि, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दिनांक 16 अप्रैल 2022 तक दावा आपत्ति आवेदन पत्रों के निराकरण की अंतिम तिथि एव निराकृत दावा आपत्ति आवेदन पत्रों की ईआरएमएस मे प्रविष्टि की अंतिम तिथि, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 18 अप्रैल 2022 तक दावे आपत्ति की चैकचिस्ट तैयार करना, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दिनांक 20 अप्रैल 2022 तक चैकलिस्ट की जॉच कर त्रुटि सुधार उपरांत वेण्डर को वापस करना एवं चैकलिस्ट मे त्रुटि सुधार उपरांत डिजिटल हस्ताक्षर से वेरिफाई/अप्रूव करना, रजिस्ट्रीकरण एवं वेण्डर द्वारा दिनांक 21 अप्रैल 2022 तक फोटोयुक्त और फोटोरहित अंतिम मतदाता सूची जनरेट करना एवं फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची को वेबसाईट पर अपलोड करना, वेण्डर द्वारा दिनांक 25 अप्रैल 2022 तक फोटोरहित अंतिम मतदाता सूची को मुद्रित कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराना, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दिनांक 25 अप्रैल 2022 तक फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का ग्राम पंचायत तथा अन्य विहित स्थानों पर सावर्जनिक प्रकाशन, अंतिम मतदाता सूची की फोटोरहित सी.डी. विक्रय के लिए उपलब्ध करना एवं फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची के सावर्जनिक प्रकाशन का प्रमाणपत्र स्कैन कर अपलोड करने की कायर्वाही करेंगे। उप जिला निवार्चन अधिकारी श्री पाण्डेय द्वारा समस्त रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निदेर्शित किया गया है कि मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के लिए स्थलों/भवनों का चयन तत्काल किया जाकर नियुक्ति किये जाने वाले प्राधिकृत कमर्चारी का प्रस्ताव तीन दिवस के भीतर अनुमोदन के लिए अनिवाय ्रूप से निधार्रित प्रपत्र पर प्रेषित किये जावे, ताकि सौपे जाने वाले दायित्वों का निवर्हन भली भांति कर सके। मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन संबंधी कायर्क्रम का प्रचार प्रसार विभिन्न माध्यमों से वृहद रूप से कराया जावे। उक्त काय ्के लिए नियुक्ति किये जाने वाले प्राधिकृत कमर्चारियों को उनके काय ्एवं दायित्वों के संबंध में भली भांति प्रशिक्षण दिया जावे। प्राप्त होने वाले दावे/आपत्तियों का निराकरण राज्य निवार्चन आयोग के निदेर्शानुसार समयावधि में किया जाना सुनिश्चित किया जावे।

पेंशनर महासंघ और राज्य कर्मचारी संघ कल सौंपेगा ज्ञापन

बालाघाट।

सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर महासंघ एवं मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के संयुक्त तत्वाधान में मुख्यमंत्री को 7 सूत्रीय मांगो का कल 23 मार्च को जिला प्रशासन को सौंपा जायेगा। यह बयान संयुक्त रूप से सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर महासंघ जिलाध्यक्ष विजय जंग बहादुरसिंह बैस और मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अशोक बिसेन ने जारी किया है। पदाधिकारीद्वय ने बताया कि इससे पूर्व 23 मार्च को वीरांगना रानी दुर्गावती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दोपहर 2 बजे अपरान्ह 4 बजे तक पेंशनर महासंघ एवं राज्य कर्मचारी संघ के कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की जायेगी। जिसके बाद पेंशनर महासंघ द्वारा प्रांत स्तरीय 7 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम और जिलास्तरीय मांगो का ज्ञापन कलेक्टर के नाम जिला प्रशासन को सौंपा जायेगा।

जले में 23 मार्च से 12-14 वष ्के बच्चों का कोविड वैक्सीनेशन होगा शुरू

नव प्रदेश सीधी । कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए 15 से 18 साल तक के किशोर और युवा वग ्के बाद अब 12 से 14 वष ्आयु वग ्के बच्चों को कोविड टीकाकृत करने की बारी आ गई है। शासन स्तर से इस आयु वग ्का वैक्सीनेशन 23 माच ्दिन बुधवार से शुरू किया जा रहा है। शुरुआत में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में प? रहे 50 हजार के लगभग बालक बालिकाओं को टीकाकृत किया जाएगा। जिले में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में मैदानी कायर्कताओं के माध्यम से सवे ्कराया जा रहा है। सवर्प्रथम स्कूलों में अध्ययनरत बालक बालिकाओं को शामिल किया गया है और उनके विद्यालय पर ही सत्र आयोजित किए जाएंगे।कलेक्टर मुजीबुहर्मान खान ने निदेर्श दिए हैं कि टीकाकरण की व्यापक काय ्योजना तैयार कर समस्त तैयारियां समय सीमा में सुनिश्चित की जाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. जे.गुप्ता ने बताया कि कक्षा छठवीं, सातवीं एवं आठवीं के बालक-बालिका जिनकी आयु 12 वष ्पूण ्हो गयी है उनको ही टीका लगाया जाएगा। जिले में विद्यालयों के अतिरिक्त डीसीएचसी जिला अस्पताल में पूव ्से आयोजित किए जा रहे सत्र को इस आयु वग ्के बच्चों के टीकाकरण के लिए निरंतर संचालित किए जाएगा। सुविधानुसार बालक-बालिकाएं यहां भी टीका लगवाने आ सकते हैं।जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नागेंद्र बिहारी दुबे ने बताया कि वष ्2008 और 2009 में जन्मे समस्त बालक-बालिका कोविड वैक्सिनेशन हेतु पात्र होंगे। वष ्2010 में जन्मे बच्चे 12 वष ्की आयु पूण ्करने पर ही पात्र माने जायेंगे। इस हेतु पंजीयन प्रक्रिया कोविन पोटर्ल पर ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी, जिसके लिए पूव ्में उपयोग किए गए अथवा नए मोबाइल नंबर का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही ऑनसाइट पंजीयन की सुविधा भी सत्र स्थल पर उपलब्ध रहेगी।

सोडा फैक्ट्री के एच आर अरविंद शुक्ला के कारनामों का शोर अभी थमा भी नहीं, तो वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया की सुर्खियाँ बटोर रहें मैनेजर अविनाश वर्मा एवं ज्ञानी

महबूब खान ब्यूरो चीफ

सोडा फैक्ट्री प्रबंधन के आला अधिकारियों द्वारा अप्रेंटिसशिप करवाने के नाम पर रिश्वत का खेल खेला जा रहा है इलेक्ट्रिक ट्रेड में अप्रेंटिसशिप करवाने के नाम पर छात्र आकाश गुप्ता से बकायदे प्रबंधन के एचआर अरविंद शुक्ला ने अपने फूफा सुरेंद्र प्रसाद त्रिपाठी के भारतीय स्टेट बैंक के अकाउंट में जिसका खाता क्रमांक 32304812626 एवं ढ्ढस्नस्ष्ट कोड स्ढ्ढहृ0009097 है जिस पर अकाश गुप्ता ने ?25000 की राशि डलवाई है बेरोजगारी का आलम यह है कि अप्रेंटिसशिप के नाम पर भी बेरोजगार युवा 25000 तक की बड़ी राशि भी देने को तैयार हो जाते हैं आपको बता दें कि नौकरी लगवाने के नाम पर रिश्वतखोरी के आरोप पहले भी प्रबंधन के एचआर पर लगते रहे हैं लेकिन शातिर अंदाज वाले एच आर शुक्ला जी द्वारा सुविधा शुल्क लेने के लिए अपने

रिश्तेदार फुफा सुरेंद्र को तय किया था व उन्हीं के माध्यम से रिश्वतखोरी का पैसा लिया करता था जिसका खुलासा पैसा देने वाले छात्र आकाश गुप्ता का ऑडियो क्लिप व अकाउंट स्टेटमेंट से हुआ है हालांकि भारत 24 न्यूज़ चैनल इस वायरल ऑडियो रिकॉर्डिंग की पुष्टि नहीं करता है पर ऐसे और भी रिकॉर्डिंग है जो के प्रबंधन के एचआर अरविंद शुक्ला की पोल खोल कर रख देने वाले हैं अब सवाल यह उठता है कि इतने दिनों से सोशल मीडिया पर ऑडियो रिकॉर्डिंग वायरल तो हो रही है पर प्रबंधन अभी भी एक्शन मूड में नजर नहीं आई सूत्रों के हवाले से खबर तो यहां तक भी है कि कुछ ठेकेदारों से ऑडिट के नाम पर मोटी रकम तक वसूली जाती है अब देखना यह है कि रोजगार के नाम पर लूटने वाले छात्रों को प्रबंधन न्याय दिला पाता है कि नहीं और ऐसे बेरोजगार छात्रों को लूटने वाले अधिकारियों पर प्रबंधन किस तरह की कार्यवाही करता है उन्हें बाहर का रास्ता दिखाता है या फिर महज एक दिखावा कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है ।

आखिर प्रबंधन कार्यवाई के नाम पर क्यों कर रहा लीपापोती

सूत्रों के मुताबिक इस समय सोशल मीडिया की सुर्खियों में सोडा फैक्ट्री के मैनेजर अविनाश वर्मा एवं ज्ञानी साहब का नाम भी सामने आ रहा है आकाश गुप्ता और सुरेन्द्र की वाइस रिकार्डिंग में भी ज्ञानी के नाम की चर्चा है जिसमें साफ तौर पर यह कहा गया है कि अभी आपका काम नहीं हुआ है वहीं फुफा ने भी पैसा लेने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ी अब सवाल यह भी उठता है कि हर बार बेरोजगारों को अप्रेंटिसशिप के नाम पर इन भ्रष्टाचारियों को पैसा देना पड़ता होगा ये खेल कितने सालों से चलता आ रहा है ये तो जाँच के बाद ही पता चल पायेगा इस फैक्ट्री में कई ऐसे मामले हैं जो दफन होकर रह गये हैं चंद ऊपर बैठे अधिकारियों को क्या इस बात की भनक तक नहीं लगती ये संभव नहीं है छोटे अधिकारियों को जबरन किसी भी बात का मुद्दा बना कर उनसे रिजाइन करने को कहकर दबाव बना फैक्ट्री से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है प्रबंधन आडिट के नाम पर ठेकेदारों के साथ कैसा खेल खेलती है प्रबंधन ने हर तरफ शतरंज का मायाजाल फैला रखा है जिसमें प्यादे ही पूरा खेल सम्भाल लेते हैं । और क्या है दफन पड़े ऐसे राज, जिसे हम जल्द बाहर लेकर आयेंगे ।

न्यूज गैलरी

सोन नदी में 2 लोगों के डूबने की घटना के बचाव कार्य का कलेक्टर एसपी ने लिया जायजा , प्रकट की सांत्वना

अनूपपुर नवप्रदेश। सीतापुर के सोन नदी में नहाने गए दो युवकों के डूबने की खबर पर प्रशासन एवं पुलिस ने गोताखोरों की टीम के साथ तत्काल बचाव एवं राहत कार्य मौके पर पहुंच प्रारंभ किया। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री अखिल पटेल ने स्वयं मौके पर पहुंचकर राहत कार्य का जायजा लिया। मौके पर अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक राजन, एसडीएम श्री कमलेश पूरी एवं एसडीओपी श्री कीर्ति बघेल व तहसीलदार एवं भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद थे। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री अखिल पटेल ने सोन नदी में डूबने वाले युवकों के परिजनों को सांत्वना प्रदान की तथा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कलेक्टर ने घटना के हर पहलू की जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की बात कही गई। उन्होंने कहा है कि सोन नदी में डूबे एक युवक का शव बरामद कर लिया गया है दूसरे युवक के पतासाजी के भरसक प्रयास प्रशासन एवं पुलिस की टीम द्वारा गोताखोरों के सहयोग से किया जा रहा है ।उन्होंने कहा कि दूसरे युवक के खोज के लिए रात भर सक्रिय प्रयास जारी रखे जाएंगे। नागरिकों से अपील की जाती है कि जिज्ञासा वश घटना स्थल पर न जाए ताकि बचाव एवं राहत कार्य मे किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न ना हो एवम किसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। तत्परता पूर्वक कार्रवाई की जा रही है। जिससे बचाव एवं राहत कार को गति पूर्वक किया जा सके।

सोन नदी में डूबे दोनों युवकों के सब हुए बरामद

अनूपपुर नवप्रदेश ।सीतापुर के सोन नदी में नहाने गए दो युवकों की डूबने की सूचना प्राप्त होते ही आज देर शाम से ही प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में राहत कर्मी लगातार सक्रिय रहे। गोताखोरों की मदद से सतत राहत एवं बचाव कार्य जारी रहा। जिससे सोन नदी मे डूबे एक युवक का देर शाम ही शव निकाल लिया गया था। दूसरे युवक के लिए लगातार बचाव एवं राहत कार्य को गति दे कर अब से कुछ ही क्षणों पूर्व गोताखोरों द्वारा दूसरा शव भी बरामद कर लिया गया है।

सीतापुर सोन नदी में तीन युवकों के डूबने से हुई मृत्यु के वैधानिक स्थितियों की जांच हेतु कलेक्टर के आदेश पर मौके पर पहुंचा जांच दल

अनूपपुर नवप्रदेश ।सीतापुर के सोन नदी में शुक्रवार 18 मार्च 2022 को ग्राम बरबसपुर निवासी अंशुल कुजूर पिता श्री दीपक कुजूर शनिवार 19 मार्च 2022 को आलोक केवट पिता पुरेंद्र केवट उम्र 19 वर्ष निवासी महूदा तहसील जैतहरी एवं अभय द्विवेदी पिता श्री रमेश चंद्र द्विवेदी उम्र 22 वर्ष निवासी जेल भवन के पास सकरिया अनूपपुर की स्नान करने के दौरान डूबने से मृत्यु होने की घटना को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए संपूर्ण घटना की परिस्थिति की जांच किए जाने हेतु कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री सोनिया मीना के निर्देश पर अपर जिला दंडाधिकारी श्री सरोधन सिंह ने जांच दल गठित किया है जांच दल में अनुविभागीय दंडाधिकारी अनूपपुर श्री कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनूपपुर सुश्री कीर्ति बघेल, खनि निरीक्षक अनूपपुर श्रीमती ईषा वर्मा शामिल है। जांच दल को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर रेत खनन नियम शर्ते एवं घटना के वैधानिक स्थितियों के अनुसार जांच कर अभिमत सहित जांच प्रतिवेदन आज ही उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जांच आदेश मिलते ही जांच दल ने सीतापुर स्थित सोन नदी के घटनास्थल पर पहुंच कर जांच प्रारंभ कर दी है।

रंगोत्सव खुशी और आपसी सद्भाव का पर्व है-कलेक्टर

शहडोल नवप्रदेश। रंगों का उत्सव रंगोत्सव हमारी संस्कृति एवं परंपराओं में समाहित आनंद को द्विगुणित करता होली का पर्व आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं प्रसन्नता की उत्तरोत्तर वृद्धि लेकर आया है। रंगोत्सव खुशी और आपसी सद्भाव का पर्व है। सभी से सौहार्दपूर्ण वातावरण में मिल-जुल कर त्यौहार मनाएं। होली के लिए हम हर्बल रंगों का उपयोग करें, ताकि किसी को शरीरिक नुकसान न पहुँचे। सभी नागरिक उल्लास और उमंग से पर्व मनाएं। अपने गिले-शिकवे भूलकर प्रेम की गंगा बहाएं। आम के बौर की महक पूरे जिले में बिखरी है। पलाश के वृक्षों से रंग-बिरंगे दृश्य दिखाई देते हैं। पलाश के फूलों से रंग निकालकर प्राकृतिक रंग का प्रयोग करें। इसी प्रकार स्वच्छता को दृष्टिगत रखते हुए हमारे नगरपालिका के स्वच्छता कर्मी नगर को सुंदर एवं स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दें। स्वच्छता कर्मी शहर के असली हीरो होते हैं, जिससे शहर साफ एवं स्वच्छ रहता है, यह रंगोत्सव कार्यक्रम के असली हीरो हमारे स्वच्छता कर्मी ही हैं। उक्त उद्बोधन आज कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य कलेक्टर निवास पर आयोजित फ्ररंगोत्सव मिलनफ्र कार्यक्रम में दिए। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला कटारे ने रंगोत्सव कार्यक्रम में कहा कि होली, रंगपंचमी और भगोरिया पर्व प्रेम, उत्साह और भाईचारे के पर्व हैं। रंगों के इन त्यौहारों को सभी उत्साह से मनाने की तैयारी में हैं। बीते 2 साल कोरोना महामारी की वजह से हम त्यौहार नहीं मना पाए। अब कोरोना महामारी अब नियंत्रण में है। पूरा जिला आनंद और उत्साह से भरा हुआ है। सभी वर्ग उल्लास और उमंग से पर्व मनाएंगे। कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने आज होली का पर्व कलेक्टर निवास में संक्षिप्त किन्तु शालीन कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला कटारे, जिला महिला समिति के सदस्यों, नगर पालिका के स्वच्छता कर्मियों, अधिकारियों, नागरिकों के साथ सम्मिलित होकर हर्षोल्लास पूर्वक मनाया।

खाद्य मंत्री ने भूमि पूजन कर की कार्य की शुरुआत

राजनगर में 4 करोड़ 36 लाख की लागत से बनेगा नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन

अनूपपुर

उच्च शिक्षा की पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य राज्य शासन द्वारा लगातार सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी प्रक्रिया के तहत स्थापित शासकीय महाविद्यालय राजनगर के नवीन भवन की आधारशिला रखने मध्य प्रदेश शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह के मुख्य अतिथि में भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधायक कोतमा श्री सुनील सराफ, सहकारी बैंक के पूर्व संचालक श्री बृजेश गौतम, पूर्व विधायक कोतमा श्री दिलीप जायसवाल,, जिला पंचायत अनूपपुर के सहकारिता एवं उद्योग समिति की सभापति श्रीमती सरला सिंह, श्री आधाराम वैश्य, अजय शुक्ला, श्री उदय प्रताप सिंह, श्री रामदास पूरी, श्री धर्मेंद्र सिंह, श्री सुनील चौरसिया, श्री राम नरेश गर्ग मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल शहडोल के कार्यपालन यंत्री सीडी सोनारे अग्रणी कॉलेज शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर के प्राचार्य डॉ विक्रम सिंह बघेल शासकीय महाविद्यालय राजनगर की प्राचार्य डॉ माया पारस सहित नागरिक, व्यापारिक, अभिभावक महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे। खाद्य मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह के द्वारा 4 करोड़ 36 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले नवीन शासकीय महाविद्यालय राजनगर नवीन भवन के लिए भूमि पूजन छोटी भलमुड़ी शांति नगर कॉलोनी राज नगर में किया गया।

इस अवसर पर अतिथियों ने राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी तथा नवीन महाविद्यालय भवन के निर्माण से बच्चों को मिलने वाली उच्च शिक्षा व्यवस्था को मील का पत्थर निरूपित करते हुए विद्यार्थियों को खूब मन लगाकर पढ़ने व नगर को गौरवान्वित करने की बात कही गई। खाद्य मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने कहा कि राजनगर में कालेज भवन के निर्माण हो जाने से क्षेत्रीय बच्चों को महाविद्यालयीन शिक्षा प्राप्त करने में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि अनूपपुर में शीघ्र ही नर्सिंग कॉलेज प्रारंभ किया जाएगा।

कुशाभाऊ ठाकरे जन्मशताब्दी वर्ष के जिलों के अध्यक्ष एवं सचिव घोषित

शहडोल।नवप्रदेश

श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे की जन्मशताब्दी समारोह में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा से चर्चा के उपरांत कुशाभाऊ ठाकरे जन्मशताब्दी समारोह समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने समिति के जिलों के अध्यक्ष एवं सचिवों की घोषणा की है। यह जानकारी देते हुए समिति के सचिव श्री हेमंत खण्डेलवाल ने बताया कि मुरैना अध्यक्ष श्री गजेन्द्र तोमर एवं सचिव श्री रामकुमार महेश्वरी, भिण्ड अध्यक्ष श्री अवधेश सिंह कुशवाह एवं सचिव श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा, दतिया अध्यक्ष श्री रामदास जसिया एवं सचिव श्री महेन्द्र पटेल, ग्वालियर नगर अध्यक्ष श्रीमती माया सिंह एवं सचिव श्री बृजेन्द्रसिंह जादौन, ग्वालियर ग्रामीण अध्यक्ष श्री सूर्यभान सिंह पवैया एवं सचिव श्री कोमल पवैया, श्योपुर अध्यक्ष श्री कैलाश नारायण गुप्ता एवं सचिव श्री शंशाक भूषण, शिवपुरी अध्यक्ष श्री हरिहर शर्मा एवं सचिव श्री ओमप्रकाश जैन, गुना अध्यक्ष श्री पुरूषोत्तम सोनी एवं सचिव श्री अशोक शर्मा, अशोकनगर अध्यक्ष श्री सुभाष जैन एवं सचिव श्री धनपाल यादव, सागर अध्यक्ष श्रीमती सुधा जैन एवं सचिव श्री अनुराग प्यासी, टीकमगढ अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र खटीक एवं सचिव श्री अभिषेक खरे, निवाडी अध्यक्ष श्री प्रेमचन्द जैन एवं सचिव अरविन्द चौबे, छतरपुर अध्यक्ष श्री बृजेश चौरसिया एवं सचिव श्री अशोक दुबे, दमोह अध्यक्ष श्री विद्यासागर पाण्डे एवं सचिव श्री संजय सेन, पन्ना अध्यक्ष श्री बाबूलाल यादव एवं सचिव श्री सुशील त्रिपाठी, रीवा अध्यक्ष श्री कमलेश्वर सिंह एवं सचिव श्री सरेन्द्र सिंह चंदेल, सतना अध्यक्ष श्री प्रभाकर सिंह एवं सचिव श्री अशोक गुप्ता, सीधी अध्यक्ष श्री यदुनाथ सिंह एवं सचिव श्री अनिल पाण्डेय, सिंगरौली अध्यक्ष श्री कालिका गुप्ता एवं सचिव श्री सुनील सिंह, शहडोल अध्यक्ष श्री प्रकाश जगवानी एवं सचिव संतोष लोहानी, अनूपपुर अध्यक्ष श्री मूलचन्द्र अग्रवाल एवं सचिव ज्ञानेन्द्र सिंह, उमरिया अध्यक्ष श्री ज्ञान सिंह एवं सचिव श्री राकेश द्विवेदी, जबलपुर नगर अध्यक्ष श्री आनंद बर्नाड एवं सचिव श्री जय सचदेवा, जबलपुर ग्रामीण अध्यक्ष श्री नरेन्द्र त्रिपाठी एवं सचिव श्री आशीष पटेल, कटनी अध्यक्ष श्री चमनलाल आनंद एवं सचिव श्री दीपक टंडन, डिंडोरी अध्यक्ष श्री अशोक अवधिया एवं सचिव श्री मनोहर ठाकुर, मंडला अध्यक्ष श्री राजेश पाठक एवं सचिव श्री राजेश जैन, बालाघाट अध्यक्ष डॉ. योगेश निर्मल एवं सचिव श्री ओमकार बिसेन, सिवनी अध्यक्ष श्री कीरतसिंह बघेल एवं

मुख्यालय का ट्रैफिक अनकंट्रोल, बेबस नजर आ रही यातायात पुलिस

शहडोल नवप्रदेश

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय यातायात पुलिस इन दिनों बेबस नजर आ रही है मुख्यालय जाम से जूझ रहा है वही राहगीर भी परेशान हो रहे हैं त्योहार के मौसम होने के कारण अक्सर सड़कों पर भीषण जाम देखा जा रहा है और ट्रैफिक रेंगते हुए नजर आ रहा है गांधी चौक जिला अस्पताल के समीप बल पुरवा बस स्टैंड सीहपुर रोड सहित अनेक चौराहों में ट्रैफिक व्यवस्था अन कंट्रोल हो चुकी है अनेक स्थानों में वनवे के कारण भी सभी तरह के वाहन एक ही ओर से और जा रहे हैं इसे व्यवस्थित करने के लिए यातायात पुलिस के पास कोई प्लान भी नहीं है यही वजह है कि प्रतिदिन मुख्यालय में जाम भी लग रहा है बुढार चौराहे से लेकर शिवपुर रोड जाने वाले मार्ग में अक्सर जाम लग जाता है जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता हैद्य मिली जानकारी के अनुसार नगर में यातायात डीएसपी थाना प्रभारी के अलावा आधा सैकड़ा से अधिक बल भी है लेकिन यह केवल चालानी कार्यवाही में व्यस्त रहते हैं शहर में जाम ना लगे इस पर कोई भी गंभीर नहीं हैद्य सूत्रों की माने तो ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने के लिए नगर के कई चौराहों और मुख्य मार्ग पर यातायात पुलिस को तैनात किया गया है।

शुक्ला ढाबा में हो रहा घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग, खाद्य विभाग बना दर्शक

शहडोल

रीवा से मनेंद्रगढ़ मुख्य मार्ग में कोतमा तिराहे के समीप स्थित शुक्ला ढाबा के संचालक द्वारा खुलेआम और ढाबे में कमर्शियल गैस सिलेंडर की जगह घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा है बड़ी विडंबना है कि मुख्य मार्ग में स्थित इस ढाबे के समीप से ही अधिकारियों सहित पुलिस कर्मियों का भी आना जाना लगा रहता है लेकिन किसी का भी ध्यान ढाबा संचालक की मनमानी की ओर नहीं जा रहा हैद्य सूत्र बताते हैं कि ढाबे में कोतमा अनु विभाग के पुलिस कर्मियों का भी आना जाना लगा रहता है लेकिन किसी प्रकार की कार्यवाही ढाबे संचालक पर नहीं की जा रही है जिसके कारण इस के हौसले बुलंद हैंद्य जहां केंद्र सरकार द्वारा उज्जवला योजना के तहत गरीबों को गैस सिलेंडर प्रदान किया जा रहा है भले ही गरीबों को गैस सिलेंडर काफी प्रयास के बाद भी नहीं मिल पा रहा

है वहीं दूसरी ओर गैस एजेंसी के संचालकों द्वारा ऊंचे कमीशन की लालच में ओने पौने दाम पर ढाबा संचालक को घरेलू गैस प्रदान कर दिया जाता हैद्य यदि नियमों की बात करें तो किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान में कमर्शियल गैस सिलेंडर का उपयोग किया जाना चाहिए लेकिन शुक्ला ढाबा के संचालक द्वारा नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए घरेलू गैस का उपयोग ढाबा के कार्यों में किया जा रहा है और तू और घरेलू गैस सिलेंडर को भट्ठी के बगल में ही रख दिया जाता है जिससे कभी भी दुर्घटना होने की आशंका भी बनी रहती है।

नगर को साफ एवं स्वच्छ रखने हेतु नागरिकों का सहयोग अपेक्षित- कलेक्टर

स्वच्छता को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने किया नगर भ्रमण

शहडोल नवप्रदेश

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती वंदना वैद्य तथा नगरपालिका अध्यक्ष शहडोल श्रीमती उर्मिला कटारे ने बुधवार की रात शहडोल नगर के न्यू बायपास रोड, बस स्टैंड, रीवा रोड, इंदिरा चौक सहित अन्य विभिन्न मार्गो का भ्रमण किया। इस दौरान कलेक्टर एवं नगर पालिका अध्यक्ष ने विभिन्न मार्गो में पाया कि भवन निर्माण की सामग्री तथा भवन निर्माण में टूट-फूट का कचरा (डस्ट) नागरिकों द्वारा रोड में फैलाया जा रहा है, जिससे लोगों के आवागमन में परेशानी हो रही है तथा नगर के गलियों की स्वच्छता तथा वातावरण भी बिगड़ रहा है। जिस पर कलेक्टर ने मकान संचालकों से चर्चा करते हुए गलियों में फेंके गए भवन निर्माण डस्ट तथा भवन निर्माण सामग्री को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने भवन संचालकों को समझाइश देते हुए कहा कि भवन निर्माण सामग्री कचरा शहर के बाहर व्यवस्थित स्थान पर फेंके या फिर नगर पालिका के कचरा वाहन को बुलवाकर भवन सामग्री कचरा उसमें फेंके तथा नगरपालिका को इस कार्य के जो भी निर्धारित शुल्क हैं वह शुल्क का भी भुगतान अवश्य करें।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नागरिकों से कहा कि यह नगर हमारा है और इसको साफ एवं स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी भी हमारी है। कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन या नगरपालिका अमला के ले यह शहर को साफ एवं स्वच्छ नहीं रख सकता, इसके लिए आम नागरिक से सहयोग अपेक्षित है कि शहर को साफ एवं स्वच्छ रखें कहीं भी कचरा या गंदगी ना फैलाएं तथा अगर कोई ऐसा करता है, तो उन्हें रोके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नगर के विभिन्न मार्गो में साफ सफाई एवं स्वच्छता का भी निरीक्षण किया।

नगर के मध्य स्थल स्थित सुप्रसिद्ध श्रीराधा कृष्ण मंदिर परिसर गणमान्य नागरिकों अभीर गुलाब रंगो हर्षोल्लास से मनाई होली

गोल बाजार बरसाए प्रेमरंग कि हुई बौछार,25 फिट ऊची हजारो रूपऐ अलग अलग 4 मटकी टूटी

धनपुरी होली का त्यौहार नगर मे दो दिवसीय 18,19 मार्च को पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाये ग?ऐ नगर में होली पर्व को लेकर अधिकांश प्रतिष्ठाने बंद रखकर लोगों ने होली खेलने में मशगूल देखे गए।

श्री राधा कृष्ण मंदिर में -

नगर के सुप्रसिद्ध श्रीराधा कृष्ण मंदिर में पांच दशक से होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया सर्वप्रथम लड्डू गोपाल को अबीर गुलाल लगाकर आशीर्वाद लिए फिर होली प्रथा शुरू हुआ मंदिर परिसर में सुबह सुबह 9-00 बजे पहुंच कर होली मिलन समारोह में एक दूसरे पर गुलाल अबीर लगाकर छोटे बड़े लोगों का पैर छूकर आशीर्वाद लिया यह क्रम दोपहर 1 बजे तक चलता रहा मंदिर परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भरे रंगों के थाल रखे गए थे पानी ठंडाई की व्यवस्था की गई थी लोगों ने खूब छाने और रंग खेले तरह तरह के भेश भूसा दिखे और मस्ती डूब

ग?ऐ ऐसी खूबसूरत पल को लोग हमेशा याद रखते हैं।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता-

धनपुरी गोल बाजार में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया मटकी फोड़ प्रतियोगिता मे कई टीमों ने हिस्सा लिऐ और मटकी फोड़ी गई विजेता टीम को पुरस्कृत किया गयाहै। 25 फिट ऊची मटकी गोल बाजार मे मटकी फोड़ प्रतियोगिता को लेकर मटकी को 25 फिट ऊपर लटकाया गया था टीम के द्वारा एक-दूसरे को ऊपर चढ़कर श्रृंखला बनाते हुए मटकी को थोड़ा । मटकी तक पहुंचने के लिए कई बार युवाओं द्वारा प्रयास किया गया कई बार गिरे भी। हालांकि पानी रंगों की बौछार के बीच एक दूसरे के ऊपर चढ़कर मटकी को तोड़ना आसान नहीं था दो बार मटकी फोड़ने में टीम दरुहा गंजहा की टीम सफल रही विजेता टीम को आयोजन समिति के द्वारा सम्मानित व पुरस्कृत किया गया।

होली पर भी सेल्फी का क्रेज-

होली खेलने के बाद महिला पुरुष बच्चे के चेहरे बदरंग थे लेकिन लोग सेल्फी लेने से पीछे नहीं रहे वह खासकर युवा लड़के लड़कियां सेल्फी ले रहे थे जो उन्होंने सेल्फी लेकर अपने दोस्तों को भेजी शेयर किया।

दैनिक नव प्रदेश

संपादकीय

फिल्म को फिल्म ही रहने दो

कश्मीर के हिन्दुओं पर हुए अत्याचार की घटना को लेकर बनाई गई हिन्दी फिल्म द कश्मीर फाइल को लेकर अनावश्यक रूप से विवाद खड़ा किया जा रह है। जहां एक ओर बेहद कम लागत में बनी यह फिल्म बाक्स ऑफिस पर रिकार्ड तोड़ रही है। वहीं दूसरी ओर इस फिल्म को लेकर विरोध के स्वर भी लगातार तेज हो रहे हैं। इस फिल्म को दो संप्रदायों के बीच वैमनस्यता बढ़ाने वाली साबित करने की कोशिशें की जा रही है। अनेक विपक्षी नेताओं ने इस फिल्म का पुरजोर विरोध किया है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने तो द कश्मीर फाइल्स की कड़ी आलोचना करते हुए यहां तक कह दिया है कि केन्द्र की भाजपा सरकार इस फिल्म को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। जम्मू-कश्मीर के ही एक और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने इस फिल्म को झूठ का पुलिंदा कहा है और कश्मीर के तात्कालीन हालात के लिए खुद को बेदाग बताते हुए सारा दोष तात्कालीन वीपी सिंह की सरकार पर मढ़ दिया है। गौरतलब है कि 80 के दशक के अंत में और 90 के दशक के शुरूआत में कश्मीर में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा का जो दौर चला था और लाखों की संख्या में कश्मीरी पंडितों को अपना गांव, घर और प्रदेश छोड़कर पलायन करना पड़ा था। उस समय डॉ. फारूख अब्दुल्ला ही कश्मीर के मुख्यमंत्री थे। जिनकी निष्क्रियता के कारण ही कश्मीर के हालात बद से बदतर हुए थे और जब स्थिति बेकाबू हो गई तो उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कश्मीर में उस दौरान जो कुछ भी हुआ था उसकी जिम्मेदारी से बचने के लिए ही डॉ. फारूख अब्दुल्ला इस फिल्म की आलोचना कर रहे है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी द कश्मीर फाइल को मन गणंत काहानी आधारित फिल्म बताया है और कहा है कि इसका सच्चाई से कोई लेना देना नहीं है। दरअसल विपक्ष के ये नेता सिर्फ विरोध के नाम पर ही इस फिल्म का विरोध कर रहे है लेकिन उनके इस तरह के विरोध से फिल्म को और ज्यादा प्रचार मिल रह है। द कश्मीर फाइल्स अन्य हिन्दी फिल्म की तरह ही एक फिल्म है और इस फिल्म को फिल्म ही रहने दिया जाए। इसे और कोई नाम देने की कोशिश न की जाए। फिल्मकारों को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है। यदि कोई फिल्मकार ऐसी घटनाओं पर फिल्म बनाता है तो और फिल्म चल जाती है तो उसका सिर्फ इसलिए विरोध होना चाहिए क्योंकि उस फिल्म से आप की पार्टी का वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। यह कहा जा रहा है कि इस फिल्म में आधा ही सच दिखाया गया है। ऐसा आरोप लगाने वाले पूरा सच दिखाने के लिए अपनी कोई फिल्म बनाने या बनवाने के लिए स्वतंत्र है। इस फिल्म में जो कुछ भी दिखाया गया है उसे राजनीतिक चश्मे से देखना कतई उचित नहीं है। फिल्म देखने वाले दर्शकों पर ही यह छोड़ दिया जाना चाहिए कि वे इस फिल्म को किस नजरिए से देखते है। यह कहना भी इस फिल्म में हिंसा ज्यादा दिखाई गई है जो ठीक नहीं है। जबकि बॉलीवुड की ऐसी सैकड़ों फिल्में बन गई है जिसमें हिंसा और अश्लीलता के अलावा और कुछ नहीं होता। ऐसी हिंसक और अश्लील फिल्मों का कोई विरोध नहीं करता। फिर द कश्मीर फाइल का ही विरोध आखिर क्यों?

राजनीति में अफसरों के प्रवेश से बदलाव की उम्मीदें

आलोक मेहता

करीब बीस साल बाद राजीव गाँधी ने उन्हें बिहार का राज्यपाल बनाकर भेजा। वहां कांग्रेस के ही मुख्यमंत्री भागवत झा से टकराव की नौबत तक आई और एकाध साल बाद राज्यपाल पद से हटना पड़ा। पहले दिल्ली में उनके आने पर और बाद में राज्यपाल बनने पर पटना में मुझे उनसे लम्बी बातचीत के बहुत अवसर मिले। इसलिए कह सकता हूँ कि वह बहुत विद्वान राजनेता थे। राजनीति, प्रशासन और आध्यात्मिक विषयों पर उनका अद्भुत अधिकार था। लेकिन अपने पुराने साथी द्वारका मिश्र की तरह वह प्रधान मंत्री के दावेदार नहीं बन सके। दूसरे आई एस अधिकारी अजीत जोगी थे, जो राजीव गाँधी के सत्ता काल में नौकरी छोड़कर राज्य सभा के सदस्य बने और छत्तीसगढ़ का गठन होने पर मुख्यमंत्री बने। उन्होंने जमकर गुटबाजी और मनमाने ढंग से सरकार चलाई। लेकिन बाद में कई गंभीर आरोपों के कारण मुख्यमंत्री पद ही नहीं गया, पार्टी से निकाले गए। इंदिरा गाँधी के राज में प्रशासनिक सेवा से निकले इक्का दुक्का ही राजनीति में आए। लेकिन राजीव गाँधी के सत्ता काल से सरकारी अफसरी त्याग कर सरकारों, संसद और विधान सभा में आने वालों का सिलसिला बढ़ता गया।

दशकों से सभाओं और आंदोलनों में नारा सुनते रहे हैं - 'अफसरशाही नहीं चलेगी'। जनता भी दफ्तरों में बाबुओं - अफसरों के रुख से नाराज होते हैं, विभिन्न राजनैतिक दलों के पार्षदों, विधायकों और सांसदों को भी कई अफसरों से शिकायत रहती है। लेकिन धीरे धीरे अच्छा या उनकी पसंद और विचारधारा से काम करने वाले अफसर को पार्टियां सत्ता की राजनीति में शामिल करने लगी और मतदाता भी उन्हें चुनने लगे। सबसे बड़ा उदाहरण अरविन्द केजरीवाल का है। वह न केवल राजनीति में आए, स्वयं पार्टी बनाई, छोटा और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के दो बार मुख्यमंत्री बने, लेकिन केवल दस वर्षों में पार्टी का विस्तार करके अब पंजाब में आम आदमी पार्टी और अपने पसंदीदा भगवंत मान को मुख्यमंत्री भी बनवा दिया। इसे दिल्ली से बड़ी सफलता कहा जाएगा। अरविन्द केजरीवाल के समर्थक और कुछ मीडियाकर्मी उनको आने वाले वर्षों में वर्तमान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी या योगी आदित्यनाथ के भावी विपक्ष के नेता के रूप में भी पेश करने लगे हैं। लेकिन वह पहले पूर्व सरकारी अधिकारी नहीं हैं जो राजनीति में आए हैं। उनसे पहले भी अनुभवी सरकारी अफसर नौकरी से इस्तीफ़ा देकर अथवा सेवनिवृत्ति के बाद विधायक, सांसद, मंत्री और मुख्यमंत्री बने हैं। इसलिए अनुभव बताता है कि पांच या दस साल बाद के राजैतिक भविष्य का अनुमान लगाना कठिन होता है।

अरविन्द केजरीवाल भारतीय प्रशासनिक सेवा में आई एफएस और आई ए एस के बाद की राजस्व सेवा में भर्ती होकर सात आठ साल काम करते या विदेश में अध्ययन के लिए अवकाश लेते हुए संयुक्त आयुक्त पद छोड़कर पहले सूचना के अधिकार के अभियान और फिर अण्णा आंदोलन के साथ राजनीति में कूदे। उनसे पहले भारतीय प्रशासनिक सेवा से आए केवल दो व्यक्ति मुख्यमंत्री बने। मध्य प्रदेश में पहली बार कांग्रेस तोड़कर बनी संविद सरकार के मुख्यमंत्री गोविन्द नारायण सिंह 1961 में बने थे। वह स्वतंत्रता आंदोलन में 1942 से 1944 तक जेल में रहे। उन्होंने बनारस विश्वविद्यालय में शिक्षा पाने के बाद आज़ादी के तत्काल बाद 1948 की ब्रिटिश परम्परा वाली प्रशासनिक सेवा की परीक्षा देकर आई

सी एस (बाद में इसे आई ए एस कहा गया) हुए और विंध्य प्रदेश में सहायक क्षेत्रीय आयुक्त बने। एकाध साल में उन्होंने नौकरी छोड़ दी और जमीनी राजनीति में सक्रिय हो गए। उनके पिता अवधेश प्रताप सिंह विंध्य के राजा और फिर मुख्यमंत्री थे। मध्य प्रदेश बनने पर वह रवि शंकर शुक्ल की कांग्रेस सरकार में और गोविन्द नारायण सिंह दिग्गज चाणक्य कहे जाने वाले द्वारका प्रसाद मिश्र की सरकार में उनके दाएं हाथ की तरह मंत्री बने। लेकिन बाद में मिश्र के रवैये से नाराज होकर अपने समर्थकों के साथ रातोंरात विद्रोह कर राजमाता ग्वालियर की राजमाता विजयाराजे सिंधिया के भारतीय जनसंघ का साथ लेकर मुख्यमंत्री बन गए। एक तरह से उत्तर भारत में यह पहली राजनैतिक क्रांति थी। केजरीवाल और भगवंत मान पंजाब को कांग्रेस से मुक्ति को पहली क्रांति कह रहे हैं। लेकिन गोविन्द नारायण सिंह ने 1961 में विद्रोह के साथ जन क्रांति दल बनाकर संविद सरकार बना दी थी। यही नहीं उसी दौरान रातोंरात विधायकों को प्रलोभन, धन, पद और अलग होटल महल तथा बन्दुक के साए में सरकारें बिगाड़ने बनाने का सिलसिला शुरू हुआ था। फिर भी यह गठबंधन दो साल से पहले टूटा और फिर कांग्रेस की सरकार बनी। हाँ उसके बाद गोविन्द नारायण सिंह फिर से मुख्यमंत्री या काबिल होते हुए भी केंद्रीय मंत्रीं नहीं बन सके। करीब बीस साल बाद राजीव गाँधी ने उन्हें बिहार का राज्यपाल बनाकर भेजा। वहां कांग्रेस के ही मुख्यमंत्री भागवत झा से टकराव की नौबत तक आई और एकाध साल बाद राज्यपाल पद से हटना पड़ा। पहले दिल्ली में उनके आने पर और बाद में राज्यपाल बनने पर पटना में मुझे उनसे लम्बी बातचीत के बहुत अवसर मिले। इसलिए कह सकता हूँ कि वह बहुत विद्वान राजनेता थे। राजनीति, प्रशासन और आध्यात्मिक विषयों पर उनका अद्भुत अधिकार था। लेकिन अपने पुराने साथी द्वारका मिश्र की तरह वह प्रधान मंत्री के दावेदार नहीं बन सके। दूसरे आई एस अधिकारी अजीत जोगी थे, जो राजीव गाँधी के सत्ता काल में नौकरी छोड़कर राज्य सभा के सदस्य बने और छत्तीसगढ़ का गठन होने पर मुख्यमंत्री बने। उन्होंने जमकर गुटबाजी और मनमाने ढंग से सरकार चलाई। लेकिन बाद में कई गंभीर आरोपों के कारण मुख्यमंत्री पद ही नहीं गया, पार्टी से निकाले गए। इंदिरा गाँधी के राज में प्रशासनिक सेवा से निकले इक्का दुक्का ही राजनीति में आए। लेकिन राजीव गाँधी के सत्ता काल से सरकारी अफसरी त्याग कर सरकारों, संसद और विधान सभा में आने वालों का सिलसिला बढ़ता गया। इस दृष्टि से विदेश सेवा (आई एफएस) और प्रशासनिक सेवा (आई ए एस) छोड़कर राजनीति में आने वालों की लम्बी सूची है। आजकल मोदी सरकार में कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालयों में पूर्व अधिकारियों के आने पर कई लोग सवाल उठाते हैं और प्रतिबद्धता की बात कही जाती है। उन्हें शायद याद दिलाने की जरुरत है कि मोदी राज से पहले यशवंत सिन्हा, नटवर सिंह, मणिशंकर अय्यर, मीरा कुमार, एन के सिंह, भगीरथ प्रसाद जैसे कई वरिष्ठ अधिकारी सत्ता की राजनीति और महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

हाल के वर्षों में एस जयशंकर, हरदीप सिंह पुरी, आर के सिंह, अल्फोंस, साटायपाल सिंह, अश्विनी वैष्णव, अरविन्द शर्मा, रामचंद्र प्रसाद सिंह जैसे अनुभवी अधिकारी जुड़े हैं, लेकिन केजरीवाल की तरह वे प्रधान मंत्री पद के दावेदार नहीं हैं। हाँ यशवंत सिन्हा अवश्य प्रधान मंत्री या राष्ट्रपति बनने के सपने संजोते रहे हैं। नटवर सिंह और मणिशंकर अय्यर ने गाँधी परिवार के बेहद करीबी रहते हुए भी प्रधान मंत्री बनने के लिए कोशिश नहीं की। बहरहाल प्रशासन या राजनीति में पदों के सपने देखना सबका अधिकार है। सवाल यह है कि लोकतंत्र में इन सपनों के साथ समाज और सम्पूर्ण देश को कितना लाभ मिल सकता है। नए दौर नए युग में भविष्यवाणी से अधिक काम को ही देखा जाएगा। (लेखक आईटीवी नेटवर्क - इण्डिया न्यूज़ और आज समाज दैनिक के सम्पादकीय निदेशक हैं)

विचार

भारत और जापान के बीच बड़ी साझेदारी

प्रेम शर्मा

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वैश्विक लोकप्रियता चरम पर है। विश्व युद्ध जैसी स्थिति के बीच दुनिया के बड़ें बड़ें नेता जहॉ चालीस और बायलीस की अप्रूवल रेटिंग पर अटके है वही भारत के प्रधानसेवक नरेन्द्र मोदी 77 प्रतिशत लोकप्रियता के साथ दुनिया की पहली पसंद बन गए है। इस बीच जापान के प्रधानमंत्री फुमियों किशिंदा की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान हुए छह समझौते और चीन सहित कई मसलों पर भारत के पक्ष चर्चा ने नरेन्द्र मोदी की साख को सराहा है। साइबर सुरक्षा, शहरी विकास के क्षेत्र में मिलकर काम करने के साथ जापान के प्रधानमंत्री द्वारा आगामी पॉच वर्षो में भारत में 3.20 लाख करोड़ के भारी भरकम निवेश से भारत के आर्थिक विकास को एक रफ्तार मिलनी तय है। भारत में जापान का यह बड़ा निवेश इस बॉत का प्रतीक है कि आर्थिक स्तर पर भारत की बढ़ती इकोमी के प्रति वैश्विक हलचल मची हुई है। भारत और जापान के बीच साइबर सुरक्षा, कनेक्टिविटी, जल आपूर्ति और सीवरेज, बागवानी, स्वास्थ्य, जैव विविधिता के क्षेत्र में सात करार किए गए है। समग्र आर्थिक भागीदारी समझौते के अनुच्छेद 13 के मुताबिक, अनुच्छेद सात में संशोधन, विकेन्द्रीकृत घरेलू अपशिष्ट जल प्रबंधन, भारत जापान औद्योगिक भागीदारी रोड़मैप और सतत शहरी विकास में सहयोग जैसे समझौते हुए है। चीन के मुद्दे में जापानी प्रधानमंत्री ने ठीक भारत की तरह कहा है कि हम शांति और सद्भाव के साथ सीमा मुद्दो का समाधान निकालना चाहते है। चीन के साथ हमारे संबंध सीमा संबंधी मुद्दों की प्रगति पर निर्भर करता है। जापान के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कहना कि भारत जापान की सहभागिता सिर्फ दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण नही बल्कि इससे हिन्द प्रशान्त क्षेत्र सहित पूरे विश्व स्तर पर शान्ति और स्थायित्व का प्रोत्साहन मिलेगा। उधर जापान के प्रधामंत्री द्वारा रूस यूक्रेन युद्ध के बारे में बड़े साफगोई तरीके से कहा गया कि हमने युक्रेन की स्थिति की चर्चा की, रूसी हमला एक गंभीर मामला है, कयोकि इसने अंतरराष्ट्रीय मानदंड़ों को हिला दिया है।

बाप रे बाप , बीबी से बहस और झगडे का इतना घातक असर ....

चैतन्य भट्ट

सारे संसार के शादी शुदा मर्दो सावधान हो जाओ और आज से ईश्वर को हाजिर नाजिर जानकार ये कसम खाओ कि आज के बाद अपनी बीबी से बहस नहीं करोगे और न ही उससे झगड़ा करोगे द्य अब आप पूछोगे कि बीबी तो होती ही है बहस के लिए, यदि मियाँ बीबी में बहस न हो तो वे मियाँ बीबी काहे के, लेकिन अमेरिका की बर्कले यूनिवर्सिटी卐 के एक प्रोफ़ेसर ने अपने सर्वे के बारे में बताया है कि यदि आप लम्बी उम्र पाना चाहते हो, आपको लम्बी जिंदगी मिले तो बीबी से बहस करना छोड़ दो, वो जैसा कहे सर झुका कर मान लो क्योंकि यदि आपने बीबी से बहस शुरू की तो समझ लो मौत आपके सर पर मंडरा रही है, क्योंकि इस सर्वे के हिसाब से जो हसबेंड अपनी वाइफ से रोज रोज झगड़ा करता है रोजाना किसी न किसी बात पर बहस करता है उससे उसके जिस्म में खुशी के लिए बनने वाले हार्मोन का उत्पादन कम हो जाता है और इस हार्मोन के घटने से भूख लगना बंद हो जाती है, शरीर में थकान बनी रहती है, हार्ट बीट पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है, थायराइड, हार्ट और तो और किडनी की भी समस्याएं शरीर में उत्पन्न हो जाती हैं द्य अब आप खुद ही सोचो कितने भयानक से भी भयानक रोग हो जाते हैं बीबी से झगड़ने और उससे बहस करने में, लेकिन एक बात उस प्रोफ़ेसर ने अपने सर्वे में नहीं बतलाई कि ये सारे असर सिर्फ पति पर ही होते हैं कि इसका शिकार पत्नी भी हो जाती है, जंहा तक अपनी सोच जाती है इसका सारा असर सिर्फ मर्दों पर ही होता होगा क्योंकि महिलाओं को तो बहस करने और पति को डांटने फटकारने की अच्छी खासी प्रेक्टिस होती है इसलिए उन पर इसका असर नहीं होता होगा। इधर जब से ये सर्वे की रिपोर्ट सामने आई है लोग बाग़ अपने दिल को टटोलने में लग गए हैं, कोई किडनी की जांच करवाने पंहुच गया है, तो किसी ने बिना जांच करवाए ही थायराइड की गोली खाना शुरू कर दिया है, क्योंकि दुनिया में ऐसा कौन सा पति है जो बीबी से झगड़तां ना हो या उसकी बहस अपनी बीबी से न होती हो द्यअपने को लगता है ये जितने भी पति स्वर्ग सिधार गए है चाहे वे किडनी फेल होने से निबटे हो, या फिर हार्ट अटेक से, इन सबकी अपनी अपनी बीबीयों से जबरदस्त बहस होती रही होगी और इसलिए भरी जवानी में ही वे ईश्वर के दरबार में अपनी हाजरी लगाने चले गए द्य अपनी तमाम मर्दों से अपील है कि आज से ये तय कर लो कि बीबी से बहस नहीं करेंगे, झगड़ा तो भूल ही जायेंगे लेकिन हाँ जिनके मन में ÷आत्महत्या÷ का विचार आता हो वो न तो पंखे पर लटकें, न जहर खाये, न रेल से कटने जाए, न नदी में कूदें, दिन में बीसेक बार बीबी से बहस कर लें, जम कर झगड़ा करें महीने दो महीने में अपने आप ही उनका ÷राम नाम सत्य÷ हो जाएगा इसमें कोई शक नहीं हैद्य

अपन तो अपने प्रदेश में ही ठीक हैं

भारत सरकार के पासपोर्ट विभाग ने एक रिपोर्ट कार्ड जारी किया है जिससे ये पता लगा है कि विदेश जाने के लिए पासपोर्ट बनवाने के मामले में मध्य प्रदेश काफी नीचे है दो हजार चौदह से मध्य प्रदेश के लोगों की पासपोर्ट बनवाने वालों की संख्या प्रति हज़ार में मात्र सोलह रही द्य दूसरे प्रदेश के लोगों को इस बात पर बड़ा ही अचरज

हुआ कि आखिर मध्य प्रदेश के लोग विदेश जाना क्यों नहीं चाहते अब इन्हें हम बतलाये देते हैं कि अपने प्रदेश में जो मजा और आजादी है वो विदेश में कैसे मिल पाएगी द्य सरकार अनाज दे रही है मुफत में, बिजली फ्री में, मकान फ्री में, कर्जा ले लो और मत चुकाओ सरकार चुका देगी, सड़कों पर आढी टेढ़ी गाड़ी चलाओ कोई पूछने वाला नहीं, हेलमेट पहनों न पहनो कोई बाल भी बांका नहीं कर पायेगा, जंहा चाहे गुटका खाकर थूक दो, सड़क पर अपने आवारा मवेशी छोड़ दो नगर निगम का हांका गेंग हाथ तक नहीं लगाएगा, जहां मर्जी चाहे अतिक्रमण कर लो, दस फ़ीट की दूकान को पचास फ़ीट तक फैला लो किसी को ऐतराज नहीं होगा, पुलिस पकड़ ले तो किसी पार्षद से से किसी विधायक से फोन करवा दो पुलिस वाला घर तक छोड़ कर आएगा, सरकारी जमीन पर कई मंजिला बिल्डिंग तान लो एक ईंट भी नहीं सरका पायेगा प्रशासन और शासन, सीलिंग की जमीन में प्लाट काट कर बेच खाओ किसी के कानों में जूं भी नहीं रेंगेंगी, जब इतना मजा और आराम है अपने प्रदेश में तो कौन बेबकूफ होगा जो विदेश में जाने के लिए पासपोर्ट बनवाएगा उधर न गुटका मिलेगा, न पान के ठेले पर खड़े होकर दुनिया भर की बातें करने का मौक़ा, इसलिए अपने प्रदेश के लोग पासपोर्ट नहीं बनवाते है उनका कहना है भैया अपना प्रदेश ही अपने लिए सबसे सूटेबल है समझ गए न।

पत्थर साफ़ करवा रहे शराब दुकान मालिक

जब से मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भोपाल की एक शराब की दुकान पर पत्थर चला कर दारू की बोतलें तोड़ दी है तब से हर शराब की दुकान का मालिक अपने इलाके के तमाम पथरा और ईंटें साफ़ करवाने में जुट गया है कि पता नहीं कब उमा जी आ जाये और पथरा और ईंटे सन्ना दें, जब पथरा ही नहीं रहेंगे तो उमा जी क्या चलाएंगी, अब शराब के दुकान दार सुबह दुकान खोलने से पहले पूरे इलाके को सर्च करते है की कोई गिट्टी भी पड़ी न रह जाए यदि एक पथरा भी रह गया तो समझ लो वो चार पांच बोतल की बलि लेकर ही मानेगा, इधर सरकार भी भारी हलाकान है कि एक पूर्व मुख्य मंत्री की इस पथरबाजी पर क्या एक्शन ले, लेकिन उसकी समस्या शराब की दूकान के मालिक ने ही हल कर दी, गरीब ने पुलिस में कोई कंप्लेन्ट ही नहीं लिखाई अब पुलिस और सरकार को मौक़ा मिल गया ये कहने का कि भाई जब किसी ने शिकायत ही नहीं की तो कार्यवाही कैसे कर देंद्य दूसरी तरफ प्रदेश भर के दरुये चिंता में है कि यदि उमा जी के प्रेशर में सरकार ने सचमुच शराबबंदी कर दी तो अपना क्या होगा ? उमा जी कम से कम इन दरुओं पर तो दया करो जो सुबह से ही ठेके पर पंहुच कर दारू से ही कुल्ला करते हैं द्य वैसे एक बात और बतला दें सभी की बद्दुआ ले लेना लेकिन किसी दरुये की बद्दुआ मत लेना बहुत अंदर से निकलती है उसकी बद्दुआ द्य

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

रात के ग्यारह बज गए हैं अब तक घर नहीं आये आप÷ श्रीमती जी ने श्रीमान जी को फोन करके कहा

जानूं यंहा जाम लगा है÷ श्रीमान जी ने उत्तर दिया

ओह तो फिर कब तक आओगे÷ श्रीमंती जी ने चिंतित होकर फिर पूछा

बतला नहीं सकता क्योंकि अभी तो ÷पहला जाम÷ ही लगा है÷ श्रीमान जी का उत्तर था

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

नए रिश्तों का है संगम कहीं पर!

नए रिश्तों का है संगम कहीं पर! हैं टूटे दिल पड़े बेदम कहीं पर!! अयाँ हैं यूँ तो मायूसी के साए, मगर उम्मीद है मुबहम कहीं पर! नमकपाशी ज़माने का चलन है, नहीं मिलता यहाँ मरहम कहीं पर !

कविता सिंह

सुनाकर प्रीत की वंशी पिला दी भंग

सुनाकर प्रीत की वंशी पिला दी भंग होली में। जमाने का लगा बदला अचानक ढंग होली में। बनाकर भेष सखियों-सा

चला आया बना टोली, शरारत कर गया कान्हा लगाकर रंग होली में।।

डॉ.बिपिन पाण्डेय

खास पाती

फागुन आया संग लाया

फागुन आया संग लाया होली का त्योहार। तन मन उत्साहित हुआ बिखरा नेह प्यार।। प्रेम श्याम बरसा रहे बन के होली के रंग। सब जन जीवन में भरें कृष्णा नई उमंग।। फागुन की मस्ती चढ़ी खेले सब नर नार। प्रेम रंग ऐसा चढ़ा दिया सब बैर बिसार।। रंग चढ़े सदभाव का बने ह्रदय सब नेक। हर दिल मे भाव रहे हो न किसी से भेद।। कृष्ण रंग में डूब के होगे भवसागर पार। आप सभी को मुबारक ये रंगों का त्योहार।।

रश्मि ठाकुर

बच्चों सा सद्भाव धरें और होली

बच्चों सा सद्भाव धरें और होली खेलें, होली रे! रंग रंगने का चाव धरें और होली खेलें, होली रे! श्याम बजायें प्रीत-मुरलिया, राधा का जब नर्तन हो, हम उनके मन पॉव धरें और होली खेलें, होली रे! **कविता माथुर**

कोई मरता है पैसे पर किसी

कोई मरता है पैसे पर, किसी को मुल्क़ प्यारा है हमारे देश की आवाम का तो हाल न्यारा है कहीं मज़हब की तक़रीरें परेशानी करें पैदा ग़लत है सोच जिसने भी यहाँ इंसान मारा है अगर था सामने दुश्मन, मिटा डाला उसे पल में हमेशा घर के दुश्मन से हमारा मुल्क़ हारा है जहाँ पर ख़ून की होली से सड़कें लाल होती थीं उसी घाटी में अब लगता तरक्क़ी का भी नारा है कोई आँधी कोई तूफ़ां तुम्हारा क्या बिगाड़ेगा अगर ईश्वर का सर पे हाथ है उसका सहारा है अगर कहकर बताया तो बताया दर्द क्या तुमने बिना बोले समझ ले गर वही केवल तुम्हारा है।

मित्र ग़ाज़ियाबादी

तेरे रंग में रंग गयी कान्हा मैं हो

तेरे रंग में रंग गयी कान्हा,मैं हो गयी बावरिया, तू भी मुझको प्रीत में रंग दे ओ मेरे साँवरिया। तेरी बंशी की धुन में नांचु बिखर जाए सब रंग, भीगे तन, मैं मस्त मलंग सुन कर तेरी मुरलिया। **आकांक्षा द्विवेदी**

कितना पावन-कितना निर्मल

कितना पावन-कितना निर्मल, कोमल,निश्छल मन वैरागी ? कितना पापी हो,अनुतापी हो, कितना प्रेमी - अनुरागी ? मत कर तू तय, हो अभय,रमो तज अनुलंब अनुत्तर अंदर, हो भंग-तरंग मधु-गंध -रँग फिर कहां द्वेष- ईर्ष्या-मत्सर! सुरभित हो साँस यदि ख़ास पास,आरोप कहाँ-अभिशाप कहाँ? मन रे! अब अंतर्द्वंद्व तजो, मधु-गंध अमंद मधुमास यहाँ!!

पंकज कुमार वसंत

कभी घर मेरे लाना तुम अपने आप

कभी घर मेरे लाना तुम अपने आप को, करके मौन इशारा अपनी पदचाप को, जब नींदों की शरणागत् सारी गली होगी, चली आना तुम देहरी की साँकल खुली होगी, पायल के घुंघरुओं से कहना बेसबर न हो,

इस तरह से आना हमें भी ख़बर न हो, चूड़ियों से कहना काबू में रखें आलाप को,, कभी घर मेरे लाना तुम अपने आप को,, कुछ फूल बटोरेंगें रात की बगिया से,, कुछ प्रेमपगी कलियाँ चुन के धर लेंगे,, कुछ स्वप्न साकार होंगें तारों की गवाही में, कुछ नव स्वप्नों से दामन हम भर लेंगे,, चाँद की बूंदें पिघलायेंगीं प्रेम ताप को,, कभी घर मेरे लाना तुम अपने आप को। **अनिल अनमोल शर्मा**

QUIZ TIME

इ1) हमर जंगल-हमर जमीन योजना का क्रियान्वयन किस जिले में किया जा रहा है?

2) डेयरी पॉलिटेक्निक का शुभारंभ किस स्थान पर किया गया है?

3) किस बैराज में 'मछली केज कल्चर' का निर्माण किया जा रहा है?

4) इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एण्ड ट्रैफिक रिसर्च की स्थापना कहाँ किया जा रहा है?

5) तबला वादक का नाम बताइए जिन्होंने छत्तीसगढ़ी फिल्म मयारू भौजी में संगीत दिया?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) नारायणपुर (2) चोरभट्ठी (बेमेतरा) (3) मोंगरा बैराज (4) नवा रायपुर (5) कल्याण सेन

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 21 मार्च की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं:- 1413- हेनरी पंचम इंग्लैंड के राजा बना। 1791- अंग्रेजी सेना ने सुल्तान टीपू को हराकर बेंगलुरु पर अपना कब्जा किया। 1887- बम्बई में प्राथना समाज की स्थापना 1916- महान शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला ख़ाँ का जन्म।

1935- फारसी भाषा वाले देश फारस का नाम बदलकर ईरान किया गया। 1957- अपने देश का भारतीय कैलेंडर सामने आया था। 1971- भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने अपना पहला टेस्ट शतक लगाया। 1975- इथोपिया में तीन हजार साल बाद राजतंत्र समाप्त। 1978- बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी का जन्म। 1979- मिस्र की संसद ने इजरायल के साथ शांति संधि पर सहमति जताई। 1990- नाम्बिया को दक्षिण अफ्रीका से आजादी मिली। 2000- गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल के नये प्रधानमंत्री नियुक्त।

2006- चीन और रूस ने रक्षा व ऊर्जा के क्षेत्र में तीन बड़े समझौते किए। 2008- वैज्ञानिकों ने शनि ग्रह के चंद्रमा टाइटन पर महासागर होने के नये साक्ष्य प्राप्त हुए। 2019- भारत ने अबूधाबी में सम्पन्न रहे विशेष ओलिम्पिक खेलों में 85 स?वर्ण समेत 368 पदक जीते। 2020- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनियाभर में दो लाख 75 हजार लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। 2020- अमेरिका में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने कोरोना वायरस के पहले रैपिड टेस्ट को मंजूरी दी।

जिले में भीषण सड़क हादसा, मैहर जा रही कार खंभे से टकराई, दो गंभीर

रीवा नवप्रदेश ! बनारस से कार में सवार होकर मैहर जा रही श्रृद्धालुओं से भरी कार बिजली के खंभे से टकरा गई। इस हादस में कार सवार चार लोग जख्मी हो गए। घालयों में दो की हालत गंभीर बताई गई है। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को संजय गांधी अस्पताल भेजवाया गया। चिकित्सालय में भर्ती घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई गई है।

पुलिस ने बताया कि बनारस निवासी सुशील प्रजापति, नेहा प्रजापति, गणेश विश्वकर्मा और संजय पटेल कार में सवार होकर मैहर जा रहे थे। जैसे ही कार विश्वविद्यालय थाना अंतर्गत इटौरा बाईपास के समीप पहुंची कार चालक उस पर नियंत्रण नहीं रख पाया। अनियंत्रित हुई कार तकरीबन 100 फिट उछलते बिजली के खंभे से टकरा गई। दुर्घटना का पता जैसे ही स्थानीय लोगों को चला उन्होने इस संबंध में पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला।

उल्लेखनीय है कि कार में फंसे तीन घायलों को जहां आसानी से निकाल लिया गया वहीं एक घायल युवक को निकालने में पुलिस को कडी मशक्कत करनी पडी। बताते हैं कि तकरीब एक घंटे की मशक्कत के बाद कटर से कार को काट कर घयाल युवक को बाहर निकाला गया। घायलों को उपचार के लिए एसजीएमएच भेजवाया गया। गौरतलब है कि दुर्घटना इतनी वीभत्स थी कि दुर्घटना के कारण कार के आंगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया ।विश्वविद्यालय पुलिस की माने तो सडक के बीच में अचानक कुत्ते के आ जाने के कारण कार चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया। कुत्ते को बचाने के फेर में यह हादसा हो गया। कार चालक काफी तेज गति से वाहन चला रहा था। जिसके कारण समय रहते चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया ।ववि थाना प्रभारी जेपी पटेल ने बताया कि इटौरा बाईपास के समीप घटित सडक दुर्घटना की घटना में चार लोग घायल हुए हैं। घायलों को संजय गांधी अस्पताल भेजवा दिया गया है।

ज्योत्सना स्कूल सीधी के छात्र पहुँचे राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता ग्वालियर में

सीधी! दिनाँक 21/3/2022 से 24/03/2022 तक ग्वालियर के एकलव्य परिसर में 39वीं मध्यप्रदेश पुरुष बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन प्रारंभ हो चुका है ।जिसमे ज्योत्सना स्कूल सीधी के 3 छात्र - पियूष पटेल,विकाश पटेल एवं दीपक पाल स्कूल के पीटीआई एवं बॉक्सिंग कोच सूरज शुक्ला की अगुआई में सम्मिलित हो रहे है ।स्कूल के पीटीआई एवं बॉक्सिंग कोच - सूरज शुक्ला ने बताया कि सभी मुक्केबाज नियमित रूप से सुबह शाम छत्रसाल स्टेडियम में कडी मेहनत और अभ्यास करते है । इस प्रतियोगिता के माध्यम से सभी खिलाडी अच्छा प्रदर्शन करके पदक प्राप्त करेंगे। इसके पहले भी स्कूल से लगभग 50 से ऊपर छात्र छात्रा राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सम्मिलित हो चुके है व पदक प्राप्त कर चुके है ।प्रतियोगिता में सम्मिलित हो रहे मुक्केबाजो को स्कूल के डायरेक्टर डॉ. अजय मिश्रा,मैनेजिंग डायरेक्टर स्वेता सिंह,सहायक प्राध्यापक ज्योत्सना बीएड कालेज सीधी प्रदीप मिश्रा, प्राचार्य ज्योत्सना स्कूल सीधी प्रमोद तिवारी,प्राचार्य ज्योत्सना स्कूल हडवडो अरविंद कुमार पांडेय, प्रशांत सिंह बघेल एवं स्कूल के समस्त स्टाफ ने शुभकामनाएं दी है।

फांसी के फंदे पर झूला प्रधान आरक्षक

रीवा नवप्रदेश । रविवार की दोपहर पुलिस लाइन क्षेत्र में उस वक्त सनसनी मच गई जब एक प्रधान आरक्षक के फांसी के फंदे में झूलने का मामला प्रकाश में आया। शासकीय आवास में एक प्रधान आरक्षक द्वारा फांसी लगाकर सुसाइड कर ली गई। स्थानीय लोंगो ने जानकारी पुलिस को दी मौके पर पहुंची अमाहिया पुलिस ने शव को पीएम के लिए भिजवाया। सूत्रों की माने तो एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमे सुसाइड का कारण भी प्रधान आरक्षक ने लिखा है। एफएसएल टीम को भी मौके पर भेजा गया। जहां फॉरेंसिक यूनिट ने भौतिक साक्ष्य जुटाए है। जानकारी के मुताबिक आत्महत्या करने वाला पुलिस लाइन में पदस्थ परदेशी लाल साकेत (60) बताया गया है। वह शासकीय आवास में खिड़की के बाहर छज्जा में लगे बांस में रस्सी का फंदा बांधकर झूल गया ।पुलिस टीम को शासकीय आवास से सुसाइड नोट मिला है। इसमें लिखा है कि बीमारी से परेशान होकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया है। मेरी आत्महत्या के पीछे किसी का कोई कसूर नहीं है ।वह बीमारी से मजबूर हो गया था, इसलिए आत्महत्या की है। वहीं, परिजनों ने भी पुलिस को बताया कि वह बीमारी से परेशान थे और एक साल पहले परदेशी लाल का एएसआई के रूप में प्रमोशन हो गया था। इसी बीच सड़क हादसे का शिकार हो गए और प्रमोशन नही ले सके और प्रधान आरक्षक के रूप में ही सेवा देते रहे।

हथकडी लेकर न्यायालय से भागा मर्डर का आरोपी

होली के दिन युवक की हत्या में हुई थी गिरफ्तारी

रीवा नवप्रदेश ! कोठी काम्पउंड स्थित जिला न्यायालय से रविवार को दोपहर बाद हत्या का एक आरोपी हथकडी सहित फरार हो गया। हांलाकि हथकडी लगे हुए आरोपी को देखते ही वकील और पत्रकारों ने पुलिस के साथ पीछा कर लिए। जिसके चलते उसे जल्द ही शहर की गलियों से पकड लिया गया। पुलिस उसे पकड कर न्यायालय में पेश कर दी है ।होली के दिन हुई थी हत्या बताया जा रहा है कि होली पर्व के दिन मनगंवा थाना क्षेत्र में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। उक्त हत्या के आरोप में मनगंवा थाना की पुलिस ने जगजीत सिंह को गिरफ्तार किया था। उसे खिलाफ मामला दर्ज करके पुलिस कार्रवाई की है ।न्यायालय में करना था पेश बताया जा रहा है कि मनगंवा थाना की पुलिस हत्या के आरोप में पकडे गए जगजीत सिंह को न्यायालय में पेश करने के लिए लेकर पहुची थी। पुलिस उसे न्यायालय परिसर में लेकर बैठी थी। इसी बीच वह पुलिस को चकमा देकर हथकडी सहित मौके से फरार हो गया। गनीमत रही की हथकडी लगे हुए युवक को भगता देख लोगो की नजर पड गई और वह भागने में सफल नही हो पाया ।मच गया हडकम्प हत्या जैसे संगीन अपराध के आरोपी का फरार होने की जानकारी लगते ही जहां पुलिस के होष उड गए वही मौके पर मौजूद लोगो में हडकम्प मच गया। ज्ञात हो कि पुलिस पकड में आने वाले बदमाशों के न्यायालय परिसर क्षेत्र से भागने का यह कोई पहला मामला नही है। इसके पूर्व भी इसी तरह से बदमाश पुलिस की ऑखो में धूल झोक कर फरार हो चुके है। जिन्हे बाद में पकड लिया गयाएडिशनल एसपी शिवकुमार वर्मा ने बताया कि आरोपी को हत्या के मामले में पकडा गया था और मनगंवा पुलिस उसे न्यायालय में पेश करने के लिए लेकर पहुची थी। वह भाग रहा था और लोगो के सहयोग से उसे जल्द पकड लिया गया है। उसे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल नगर अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह और नगर मंत्री द्वारा द कश्मीर फाइल्स फिल्म का 12 से 3 का शो बुक किया

नव प्रदेश सीधी। जिसमें सैकड़ों लोग उपस्थित रहे जिसमें महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह प्रांताध्यक्ष ने कहा कि यह कोई ि?ल्म नही यह तो यथार्थता थीं ।फिल्म के रूप में दिखाई गई है ।जिसमे कश्मीर में रहने वाले कश्मीरी पंडितो एवं हिन्दू भाइयों के साथ जो क्रुरता अत्याचार बलत्कार किया उसका एक छोटा सा चित्रण था ।इसी के साथ यह भी कहा कि ि?ल्म के डारेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री को धन्यवाद किया जिन्होंने ऐसी फिल्म बनाने का साहस किया ।फिल्म के बाद होली मिलन का समारोह का कार्यक्रम किया गया ।जिसमें जिला अध्यक्ष गणेश सिंह ने कहा कि होली मिलन एक सनातन धर्म की परम्परा है ।यहहिन्दू त्योह ार है ।जिसमे सभी विहिप बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने अपार उत्साह से मनाया गया जिसमें अभार नगर अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह ने अपार जन समूह का आभार प्रकट किया जिसमे मुख्य रूप से विभाग संयोजक विश्व रंजन सिंह सुरेश गुप्ता जिला अध्यक्ष गणेश सिंह,जिला उपाध्यक्ष उमापति जिला मंत्री पुजेरी लाल सह मंत्री अजित सिंह सह मंत्री राज कुमार पांडेय डॉ राम चन्द्र तिवारी विवेक चौरसिया, अशोक गुप्ता माखन मिश्रा संध्या मिश्रा नगर अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह,नगर मंत्री अनिल मिश्रा नगर संयोजक रोहित राठौर सह संयोजक अभिषेक सह संयोजक शेखर भारती, राज लाखन गुप्ता,सुभाष सोनी, रवि सिंह,अनुप द्ववेदी,संदीप श्रीवास्तव अमन श्रीवास्तव उक्त जानकारी गगन अवधिया द्वारा दी गई।

100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करायें : कलेक्टर

नव प्रदेश सीधी । सीएम हेल्पलाईन में दज शिकायतों के निराकरण में जिले की स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है तथा इस निरंतरता को सतत रूप से बनाए रखने के निदेर्श कलेक्टर मुजीबुरर्हमान खान द्वारा दिए गए हैं। कलेक्टर श्री खान ने सभी विभाग प्रमुखों को शिकायतों की नियमित समीक्षा करने के निदेर्श दिए हैं। उन्होंने निदेर्शित किया है कि सीएम हेल्पलाईन में 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए अभियान चलाया जाए तथा 300 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने की पहल की जाए। इसके साथ ही कलेक्टर ने समाधान में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतें तथा हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निदेर्श दिए हैं।

12-14 वष के बच्चों का कोविड वैक्सीनेशन 23 माच से-

12 से 14 वष आयु वग के बच्चों का कोविड वैक्सीनेशन 23 माच दिन बुधवार से शुरू किया जा रहा है। शुरुआत में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में प? रहे 50 हजार के लगभग बालक बालिकाओं को टीकाकृत किया जाएगा। कलेक्टर श्री खान ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निदेर्शित किया है कि टीकाकरण की व्यापक काय योजना तैयार कर समस्त तैयारियां समय-सीमा में सुनिश्चित की जाएं। सवर्प्रथम स्कूलों में अध्ययनरत बालक बालिकाओं को शामिल किया गया है और उनके विद्यालय पर ही सत्र आयोजित किए जाएंगे।

शासकीय सेवकों की ईएसएस प्रोफाईल अपडेट करने के निदेर्श-

कलेक्टर श्री खान ने कहा कि आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा दिये गये निदेर्शानुसार कोषालयीन सॉफ्टवेयर आईएफएमआईएस के अंतगर्त जिले के समस्त शासकीय सेवकों के ईएसएस प्रोफाईल में प्रविष्टि पूण कर अपडेट किया जाना जरूरी है। जिले में विभिन्न विभागों द्वारा ईसीएस प्रोफाइल अपडेट नहीं किये जाने पर कलेक्टर द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए निदेर्शित किया गया है कि सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारी अधीनस्थ सभी शासकीय सेवकों की ईएसएस प्रोफाईल अपडेट का काय अतिशीघ्र पूण करें और काय पूणर्ता का प्रमाण पत्र जिला कोषालय सीधी में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। समस्त शासकीय सेवकों की ईएसएस प्रोफाईल अपडेट का काय पूण नहीं करने पर संबंधित आहरण एवं सवितरण अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

कलेक्टर मुजीबुरर्हमान खान ने सभी विभाग प्रमुखों को वित्तीय वष 2021.22 के लिए आवंटित लक्ष्यों की प्राप्ति के निदेर्श दिए हैं। कलेक्टर ने सभी लक्ष्यों के गंभीरता से परीक्षण करने तथा स्वरोजगार योजनाओं, किसान क्रेडिट काडर्, एसजीएच लिंकेज से संबंधित लक्ष्यों की प्राप्ति के निदेर्श दिए गए हैं। कलेक्टर ने न्यायालयीन प्रकरणों तथा लोकायुक्त से संबंधित प्रकरणों पर निधार्रित समय-सीमा में कायर्वाही करने के निदेर्श दिए हैं।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतगर्त निधार्रित समय सीमा में कायर्वाही के निदेर्श-कलेक्टर श्री खान द्वारा निदेर्शित किया गया है कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतगर्त प्राप्त आवेदनों पर निधार्रित समय-सीमा में ही कायर्वाही किया जाना सुनिश्चित करें।

जिले में 23 मार्च से 12-14 वर्ष के बच्चों का कोविड वैक्सीनेशन आरंभ

नव प्रदेश सीधी। कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए 15 से 18 साल तक के किशोर और युवा वर्ग के बाद अब 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को कोविड टीकाकृत करने की बारी आ गई है। शासन स्तर से इस आयु वर्ग का वैक्सीनेशन 23 मार्च दिन बुधवार से शुरू किया जा रहा है। शुरुआत में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे 50 हजार के लगभग बालक बालिकाओं को टीकाकृत किया जाएगा। जिले में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में मैदानी कार्यकर्ताओं के माध्यम से सर्वे कराया जा रहा है। सर्वप्रथम स्कूलों में अध्ययनरत बालक बालिकाओं को शामिल किया गया है और उनके विद्यालय पर ही सत्र आयोजित किए जाएंगे। सीधी कलेक्टर मुजीबुर्हमान खान ने निर्देश दिए हैं कि टीकाकरण कि व्यापक कार्य योजना तैयार कर समस्त तैयारियां समय सीमा में सुनिश्चित की जाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 आई. जे.गुप्ता ने बताया कि कक्षा छठवीं, सातवीं एवं आठवीं के बालक-बालिका जिनकी आयु 12 वर्ष पूर्ण हो गयी है उनको ही को-वैक्सीन का टीका लगाया जाएगा। जिले में विद्यालयों के अतिरिक्त डीसीएचसी जिला अस्पताल में पूर्व से आयोजित किए जा रहे सत्र को इस आयु वर्ग के बच्चो के टीकाकरण के लिए निरंतर संचालित किए जाएगा। सुविधानुसार बालक-बालिकाएं यहां भी टीका लगवाने आ सकते हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ0 नागेंद्र बिहारी दुबे ने बताया कि वर्ष 2008 और 2009 में जन्मे समस्त बालक-बालिका कोविड वैक्सिनेशन हेतु पात्र होंगे। वर्ष 2010 में जन्मे बच्चे 12 वर्ष कि आयु पूर्ण करने पर ही पात्र माने जायेंगे। इस हेतु पंजीयन प्रक्रिया कोविन पोर्टल पर ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी, जिसके लिए पूर्व में उपयोग किए गए अथवा नए मोबाइल नंबर का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही ऑनसाइट पंजीयन की सुविधा भी सत्र स्थल पर उपलब्ध रहेगी।

पछीत पंचायत में नाडेप निर्माण में हुआ भारी भ्रष्टाचार

सतना। मामला मझगवां जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतपछीत का है जहां इस समय सरपंच सचिव एवं इंजीनियर द्वारा नाडेप निर्माण में भ्रष्टाचार की गंगा बहाई जा रही है यहां तक कि इस निर्माण में जंगल की बालू लगाकर बनाया जा रहा है एवं पुरानी बिल्डिंग से निकले हुए ईट भी लगाए जा रहे हैं सीमेंट का उपयोग बहुत कमकिया जा रहा है नाडेप निर्माण पूरी तरह से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुके हैं और इंजीनियर अपना जेब भरने में लगे हैं उन्हें कुछ दिखाई नहीं दे रहा सिर्फ अपना कमीशन दिखाई दे रहा है इस पंचायत का इंजीनियर कोई और नहीं सोनेराम शाक्य है सरपंचछत्रवली सिंह सचिव खुशीलाल जयसवाल ठेकेदार अभिलाष सिंह सरपंच का भतीजा जो पूरे पंचायत के काम ठेकेदारी प्रथा से करताहै और सरपंच सचिव इंजीनियर को मुंह मांगा कमीशन देता है इतना ही नहीं मनरेगा के जितने भी निर्माण कार्य हुए हैं सभी सरपंच अपने भतीजे को ठेकेदारी प्रथा से सौंप दिए थे जो आज भी निर्माण कर आधे अधूरे हैं और पैसा पूरा निकल चुका है अगर जल्द से जल्द जिला पंचायत सीईओ इस पंचायत के निर्माण कार्यों के साथ-साथ मूल्यांकन की जांच करें तो इन सभी कर्मचारियों की पोल खुल सकती है अगर जांच नहीं होती है तो इनके हौसले और भी बढ़ जाएंगेअब देखना है कि इस पंचायत की जनता को क्या न्याय दिला पाएंगे जिला पंचायत सीईओ सतना

शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए जनसुनवाई 23 को

नव प्रदेश सीधी । म ु ख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत ने जानकारी देकर बताया है कि जिले के समस्त प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, शासकीय हायर सेकेन्ड्री, हाई स्कूल में पदस्थ ऐसे शिक्षक जिनकी विभागीय जांच, शिकायत, न्यायालयीन प्रकरण, प्रशासकीय दण्ड एवं अन्य के कारणों से राज्य शिक्षा सेवा में संविलियन/नियुक्ति अथवा अन्य स्वत्व के भुगतान आदि नहीं हो पा रहा हैं। ऐसे लोक सेवकों के समस्या समाधान/परिवेदना निवारण किए जाने के संबंध में कायार्लय जिला पंचायत सीधी के सभागार में दिनांक 23.03.2022 को दोपहर 12 बजे से जन सुनवाई/परिवेदना निवारण शिविर का आयोजन किया गया हैं ।उन्होने समस्त संकुल प्राचाय शासकीय हायर सेकन्ड्री/हाई स्कूल को निदेर्शित किया है कि निधार्रित तिथि एवं समय में संबंधित शिक्षक/लोक सेवकों को अपने प्रकरण के साथ आयोजित जन-सुनवाई में उपस्थित हों।

2023 में ब? बदलाव के लिए तैयार आम आदमी पार्टी : पंकज सिंह

रीवा नवप्रदेश ! आज रीवा में आम आदमी पार्टी ने विंध्य क्षेत्र के सैक?ों सक्रिय नागरिकों की सदस्यता हेतु अभियान का आयोजन किया जिसमें भाजपा-काँग्रेस, अन्य राजनैतिक दलों और सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह की उपस्थिति में सदस्यता ग्रहण की।

इस उपलक्ष्य में सिंह ने कहा कि प्रदेश में पिछले लम्बे समय से भाजपा सरकार चला रही है और सरकार के नाम पर लोकतंत्र नहीं लूट तंत्र चल रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी व रोजगार जैसे मुद्दों पर मध्यप्रदेश की जनता परेशान है। विंध्य क्षेत्र में प्राकृतिक व अन्य परिस्थितियाँ अनुकूल होने के बावजूद भी भाजपा की स्वार्थी एवं भ्रष्ट राजनीति की वजह से यहाँ के युवा, किसान और व्यापारी क्रमशः बेरोजगारी, गरीबी और असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। यहाँ तमाम तरह की फैक्टरियाँ होने के साथ-साथ बहुत की काबिल व मेहनती स्थानीय युवा होने के बावजूद भाजपा के नेता इन युवाओं को रोजगार नहीं दिलवा रहे हैं। क्षेत्र के मेहनतकश किसान व अति उपजाऊ धरती माँ होने के बावजूद यहाँ के किसानों को समय पर खाद, पानी, बिजली आदि की उपलब्धता नहीं है और वह किसान गरीबी के चक्रव्यूह से निकल नहीं पा रहा है। पूरे मध्यप्रदेश के साथ-साथ विंध्य क्षेत्र में भी कानून व्यवस्था इतनी लचर है कि स्थानीय नेताओं के संरक्षण में यहाँ गुंडे व्यापारियों से हफ्ता वसूली का काम कर रहे हैं।

प्रदेश और क्षेत्र की इन समस्याओं के लिए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह ने भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस को भी कठघरे में ख?ा किया और कहा कि अब तो हर जगह भाजपा और कांग्रेस ने क्रांतिकारी पार्टी आम आदमी पार्टी से डरकर गठबंधन कर लिया है। इसका ताजातरीन उदाहरण विगत दिनों संपन्न हुए पंजाब विधानसभा चुनाव में देखा गया जहां पर कांग्रेस,भाजपा व अन्य राजनीतिक दलों ने साथ मिलकर आम आदमी पार्टी के खिलाफ चुनाव ल?ा और मुँह की खाई। पंजाब व दिल्ली की जनता की तरह अब पूरे देश की जनता इन भ्रष्ट राजनैतिक दलों की असलियत पहचान गयी है और सम्पूर्ण देश में एक ही आह्वान हो रहा है- भ्रष्टाचार का एक ही काल, केजरीवाल-केजरीवाल।

इस कार्यक्रम में रीवा के कई ब? सामाजिक सोच वाले युवा, रीवा के प्रतिष्ठित ब्यवसायिक ब्यक्तियो ने पार्टी की सदस्यता ली साथ ही इस कार्यकर्ता बैठक में फाग के साथ पंजाब जीत की खुशी मनाई गई।

इस कार्यक्रम में संभाग अध्यक्ष अमित सिंह, जिला अध्यक्ष ग्रामीण प्रमोद शर्मा, शहर अध्यक्ष राजीव सिंह शेरा, महिला विंग अध्यक्ष मंजुला सिंह, किसान मोर्चा अध्यक्ष सुभ्रांशु द्विवेदी, संगठन मंत्री महर्षि सिंह, यूथ प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुभम सिंह, सचिव विजय कांत तिवारी, सह संगठन मंत्री रवि मिश्रा, वा सभी विधानसभा के प्रभारी, वा जिला उपाध्यक्ष सहित ब?ी संख्या में जिले भर से आये आप कार्यकर्ता सामिल रहे।

ग्राम पंचायत धनगोर ने कर दिए लाखो रुपये खर्च पाइप लाइन विस्तार में फिर लोग बूंद बूंद को तरस रहे

फर्जी बिलो की भरमार नए पम्प की रिपेरिंग ओर नमम्बर माह में पानी की व्यवस्था में खर्च किये 36, 110 रुपये

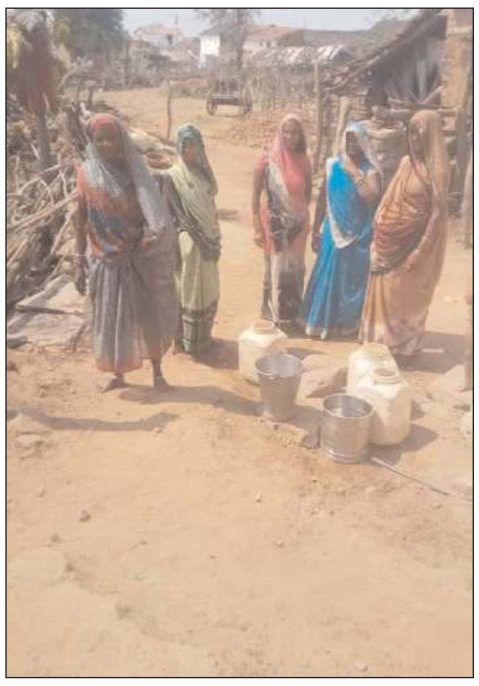

तेंदूखेडा/दमोह। षजला दमोह की जनपद पंचायत तेंदूखेडा की ग्राम पंचायत धनगोर कला जो कि मुख्यालय से सात किलोमीटर दूर स्थित है।जहाँ पर सरपँच सचिव द्वारा लाखो रुपये नलजल योजना में खर्च कर दिए फिर भी लोगो को नही मिल रहा है पानी।कागजो में दर्शाए गए कई पाइप लाइन विस्तार मगर मोके पर लोगो ने बताया कि पँचायत द्वारा एक भी पाइप नही लगाया गया है।सरपँच सचिव द्वारा ग्राम पंचायत के लोगो को लूटा गया है।गर्मी के इस मौसम में सरकार ने लाखों रुपये दिए ताकि धनगोर की जनता प्यासी इधर उधर ना भटके।ग्राम पंचायत की लापरवाही से तंग आकर लोगो ने सी एम हेल्प लाइन पर शिकायत दर्ज करवा दी ओर इससे पहले भी पँचायत से कई बार कर चुके हैं शिकायत,मगर सरपँच सचिव की मनमानी के चलते लोग प्यासे मरने को मजबूर हो चुके हैं।सरकार ने लाखों रुपये भेजे थे जो सरपँच सचिव ने इस तरह उपयोग किये दिनाक 1/6/21को पाइप लाइन विस्तार कराया धनगोर कला के लिए 60,888रुपये निकाले गए।दिनाक 2/11/21को पाइप लाइनविस्तार एवम इलेक्ट्रिक मोटर पम्प नया खरीदा एवम नए पम्प कि रिपेरिग के लिए 93,923रुपये निकाले गए धनगोर कला के लिए दिनाक 10/8/21को पाइप लाइन विस्तार के लिए 17 110 रुपये निकाले गए भहेरिया माल के लिए दिनाक 21/11/21को पाइप लाइन रिपेरिग के लिए राशि 21,830 निकाले गए।दिनाक 8/9/21को मोटर पम्प रिपेरिग के नाम पर 14,800 की राशि आहरित की गई।दिनाक 16/8/21को पाइप लाइन विस्तार हेतु ग्राम धनगोर कला के लिये 56,681 की राशि निकाली गईओर दिनाक 21/10/21को पानी की ब्यवस्था में36,110रुपये खर्च किये गए। यह खर्च सिर्फ वर्ष 2021 का इससे पहले 2020 में देखे तो उसमे में भी लाखों रुपये इसी तरह से खर्च दिख रहा है।पँचायत द्वारा लोगो को परेशान किया जा रहा है पानी की ब्यवस्था ना बनाकर ,सरपँच सचिव और अधिकारी मिलकर स्टीमेट बनाकर लाखो रुपये निकाल लेते हैं और काम नही करते और जनता के हिस्से का पैसा खुद डकार लेते हैं। सन्त कुमार ठाकुर, राजेन्द्र ठाकुर ,हेमराज ठाकुर,चोखे लाल ठाकुर,विन्द्रावन यादव, शोभा राम यादव, एवम समस्त पँचायत निवासियों ने मिलकर सी एम हेल्प लाइन पर शिकायत 17023541 दर्ज करवा कर शासन को अपनी समस्या बताई तथा जल्द से जल्द पानी की ब्यवस्था बनाने का निवेदन किया।धनगोर पँचायत के सचिव दसरथ लोधी को फोन लगाया तो उन्होंने बताया कि लोग लाइन में मोटर लगा लेते हैं तराई करने और में अभी आराम कर रहा हु कल करेंगे बात।

बिछिया विधायक ने किया शिक्षक का सम्मान

मण्डला/अंजनिया। विकासखंड बिछिया ग्राम माँद के शासकीय हाईस्कूल के शिक्षक शक्ति पटेल को शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया है। शक्ति पटेल की इस उपलब्धि पर बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण सिंह पट्टा ने उनके गृह माँद पहुँचकर उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे कार्य और नवाचार बिरले ही देखने को मिलते हैं। शिक्षक के अथक परिश्रम ने वह कर दिखाया जो सामान्य तौर पर केवल सोचा जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में ऐसे ही होनकार शिक्षकों की आवश्यकता है जो इस क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत कर इसे सम्पन्न बनाने के लिए सतत कार्य करेंगे। उन्होंने शिक्षक को क्षेत्र का गौरव बताया तथा उनके द्वारा जिले को मिली सौगातों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

घागरा चौली धारण कर भगवान श्री जुगल किशोर ने खेली होली

पन्ना- मथुरा विन्द्रावन की भाति पन्ना नगर के स्थानीय श्री जुगल किशोर जी मंदिर में कृष्ण भक्ति से सराभोर सभी त्यौहार जो मथुरा विन्द्रावन में हर्षोल्लास के साथ मनाये जाते है वह सभी धार्मिक पर्व मिनी विन्द्रावन कहें जाने वाले बुन्देलखण्ड का विख्यात मंदिर श्री जुगल किशोर में होली का पर्व इस वर्ष भी धूम धाम के साथ मनाया जा रहा है हालांकि बीते वर्ष कोरोना महामारी के कारण धार्मिक प्रेमी जनो की संख्या में कमी रही परन्तु इस वर्ष पुर्णिमा की रात्रि से ही होली पर्व के कार्यक्रम निंरतर चल रहें है इसी क्रम में 19 मार्च की रात्रि में राधा रानी द्वारा भगवान जुगल किशोर को प्रेम बंधन में बांध कर उनका समूचे सिंगार महिला के रूप में किया जाता है। जिसे सखी भैष के दर्षन के नाम से समूचे बुन्देलखण्ड में लोग जानते है 20 मार्च की सुबह से ही उसी रूप के दर्शन करने अनेकों दिनों से धार्मिक प्रेमी आते है। यह झाकी साल में एक बार ही लगती है। जिसकी झलक पाने के लिए कई हजारों की संख्या में सुबह सें शाम तक कतार लगी रहती है आज के दिन मंदिर में प्रसाद की जगह गुलाल का वितरण होता है। जो धर्म प्रेमी जन एक दूसरे को लगाकर अपने आप को धन्य मानते है। इसी तरह स्थानीय श्री प्राणनाथ मंदिर में होली खेलने के लिए भारत वर्ष के अनेकों प्रांतों से सुन्दर साथ आते है लगातार पांच दिन तक फांगों का गायन एवं फूलों व केसरिया के रंगों से चादी की पिचकारी से होली खेली जती है। सैंकणों वर्षो से यह परम्परा चली आ रही है इसी तरह नगर के श्री राम मंदिर श्री बल्देव मंदिर- श्री गोविंद जी मंदिर- श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर- आदि अनेकों मंदिरों में होली का पर्व मनाया गया। पुर्णिमा की रात्रि नगर के प्रमुख चैराहो पर हालिका दहन की गई अगले दिवस नगर वासियों नें अपने- अपनें क्षेत्रों में शांति पूर्वक जुलूस निकाला एवं डी- जे- की धुनों पर नाचते गाते हुऐ एक दूसरे को गले लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। पन्ना नगर सहित समूचे जिले में पुलिस व्यावस्था चुस्त दुरूस्त होने के कारण किसी भी किस्म की कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई।]

सलेहा थाना क्षेत्र मे पुलिस की मिली भगत से गांव-गांव बिक रही अवैध शराब

पन्ना/जिले के सलेहा थाना क्षेत्र अन्तर्गत अवैध शराब की विक्री जोरो पर चल रही है। गांव-गांव मे ठेकेदार द्वारा शराब भेजकर विक्री कराई जा रही है। जिससे युवा पीढी बर्बाद हो रही हैं। स्थानीय पुलिस के सरंक्षण से शराब की विक्री अनबरत चल रही है। क्योकि पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नही की जा रही है। ठेकेदार द्वारा पुलिस को मासिक कमीशन दिया जाता है। जिससे शराब विक्री करने वालो को संरक्षण दिया जाता है। यह कारोबार लगातार चल रहा है। सलेहा क्षेत्र के आस पास पटना, तमोली, भठिया, सेल्हा, भठनबारा, छपरवारा सहित सलेहा मुख्यालय मे भी अवैध शराब की विक्री लगातार चल रही है। जहां एक ओर पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध शराब कारोबार को रोकने के संबंध मे दिशा निर्देश जारी किये जाते है वहीं दूसरी ओर अनेक थानो मे पदस्थ प्रभारीयों द्वारा कोई कार्यवाही नही की जाती है। होली के दिन शासन के निर्देश अनुसार सभी जगह की शराब दुकाने बन्द रही लेकिन सलेहा मे खुलेआम शराब ठेकेदार द्वारा दुकान खुलवाकर शराब की विक्री कराई जा रही थी। जिसके संबंध मे स्थानीय लोगो द्वारा शिकायत भी की गई थी। लेकिन संबंधित शराब ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्यवाही नही हुई। इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि पुलिस का ही ठेकेदार को संरक्षण प्राप्त है।

दमोह में लोकायुक्त की कार्रवाई से तहसील में मचा हड़कंप, सागर लोकायुक्त की कार्यवाही

दमोह। आवेदक पंकज कुमार जैन पिता स्वतंत्र कुमार जैन उम्र 39 वर्ष निवासी जबलपुर दमोह नाका की शिकायत पर मनीराम पिता भग्गू गौड़ उम्र 52 वर्ष निवासी ऑफिसर्स कॉलोनी दमोह राजस्व निरीक्षक को 5000 रूपये रिश्वत लेते लोकायुक्त की टीन ने गिरफ्तार किया। आरोपी ने भूमि का सीमांकन करने के एवज में 5000 रूपये की मांग की । लोकायुक्त टीम में निरीक्षक श्रीमती मंजू सिंह, निरीक्षक अभिषेक वर्मा एवं विपुस्था स्टाफ सागर मौजूद रहे।

बेनी सागर शराब दुकान हटाये जाने की मांग

पन्ना/पवित्र नगरी पन्ना मे वर्षो से बेनी सागर तालाब के पास स्थित शराब दुकान को हटाये जाने को लेकर लोगो द्वारा मांग की जा रही है लेकिन प्रशासन द्वारा उक्त शराब दुकान को नही हटाया जा रहा है। जबकी उक्त स्थान पर गायत्री मंदिर, छीर सागर मंदिर, हनुमान जी मंदिर सहित अनेक सहित श्रद्धालुओं को आने जाने मे भारी परेशानी का सामना करना पडता है। स्थानीय लोगो ने लगातार शराब दुकान को अनियत्र स्थानान्तरित करने की मांग की जा रही है। लेकिन उसके बावजूद कोई कार्यवाही नही हो रही है। पन्ना नगर मंदिरो का नगर है तथा देश विदेश से श्रद्धालू भक्तगण मंदिरो के दर्शन करने आते है। लेकिन पवित्र नगर होने के बावजूद नगर मे मांस, मदिरा, शराब की दुकाने मंदिरो के आस पास स्थित होने से श्रद्धालुओं और माता बहनो को असहज स्थिती का सामना करना पडता है तथा पन्ना नगर की छवि खराब होती है। स्थानीय लोगो ने तत्काल शराब दुकान हटाये जाने की मांग की है.

फोटो क्रमांक-02

पन्ना के थाना गुनौर के अंतर्गत सुगरहा मोड पर दो बाईक आपस में टकराई

घायलों को डायल-112/100 सेवा ने अस्पताल पहुँचाया

पन्ना/ जिला पन्ना के थाना गुन्नोर के अंतर्गत सुगरहा मोड पर एक एक्सिडेंट हो गया है , पुलिस सहायता की आवश्यकता है की सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में दिनाँक 19-03-2022 को शाम 06꞉44 बजे प्राप्त हुई । सूचना प्राप्ति पर पन्ना जिले के गुन्नोर थाना क्षेत्र में तैनात डायल 112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया । डायल-112/100 स्टाफ ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि दो बाईक की आपसी टक्कर हो जाने से दो व्यक्ति इंद्रजीत पिता राम शर्मा उम्र 18 साल निवासी इटवा कलाँ, ब्रजेश साहू पिता नंदलाल साहू निवासी गंज घायल हो गये थे । डायल 112/100 सेवा द्वारा घायलों को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल गुन्नोर पहुँचाया गया ।

जेके सीमेन्ट कंम्पनी की मनमानी जारी, केन नदी की धारा रोक कर लिया जा रहा पानी

ग्रामीण तथा वन्य जीव पानी के लिए परेशान

पन्ना/अमानगंज तहसील अन्तर्गत देवरा, हरदुआ के पास संचालित जेके सेम कंम्पनी की मनमानी लगातार जारी है। प्रशासन द्वारा प्रबंधन को दिये जा रहें अनैतिक रूप से संरक्षण के चलते कंम्पनी प्रबंधन द्वारा नियम कानून को ताक पर रखकर लगातार मनमानी की जा रही है। जहां पूर्व मे किसानो की जमीन दलालो के माध्यम से मनमाने ढंग से खरीदी गई तथा जिस किसान द्वारा विरोध किया गया उसके उपर फर्जी मामले दर्ज कराये गयें तथा बोदा ग्राम के किसानो द्वारा लगातार दो महिना तक आन्दोलन किया गया। लेकिन उनके आन्दोलन को भी कंपनी तथा प्रशासन द्वारा अनैतिक हतकंडा अपनाते हुए कुचल दिया गया। अब कंपनी प्रबंधन द्वारा देश की सबसे स्व'छ एवं आप्रदूषित नदी केन नदी जो पन्ना जिले से निकलती है उक्त नदी से हजारो ग्राम के लोगो द्वारा पीने के लिए तथा अन्य कार्य के लिए पानी उपयोग किया जाता है एवं इसी नदी से वन्य जीवो, पशुओं द्वारा अपनी प्यास बुझाई जाती है तथा उक्त नदी टाईगर रिजर्व से हो कर निकलती है जिसका पानी टाईगर रिजर्व के जानवरो द्वारा पिया जाता है। उक्त केन नदी को देवरा, हरदुआ के पास कंम्पनी प्रबंधन द्वारा बिना किसी अनुमति के बीच धारा को रिपटा बनाकर बांध दिया गया है तथा नदी के अन्दर इन्टक बेल लगाकर पाईप लाईन डालकर पुरा पानी कंम्पनी के निर्माण कार्य मे उपयोग किया जा रहा है। जबकी कंम्पनी द्वारा पूर्व मे अनुबंध किया गया था कि नदी के पानी का कंम्पनी द्वारा उपयोग नही किया जायेगा और न ही नदी के जल को किसी भी प्रकार से प्रदूषित किया जायेगा। लेकिन दबंगई तथा मनमानी पूर्वक ढंग से कंम्पनी द्वारा केन नदी की धारा को ही रोक दिया गया और मनमाने ढंग से पूरे पानी का उपयोग कंम्पनी द्वारा ही किया जा रहा है। स्थानीय लोगो द्वारा उक्त संबंध मे एन जी टी मे भी शिकायत की गई थी। जिसके संबंध मे एन जी टी द्वारा भी दिशा निर्देश जारी किये गयें थें लेकिन उसके बावजूद कंम्पनी प्रबंधन द्वारा कोई प्रतिक्रिया नही की गई तथा लगातार केन नदी के पानी का कंम्पनी प्रबंधन द्वारा अवैध रूप से उपयोग किया जा रहा है। स्थानीय लोगो ने प्रदेश सरकार तथा जिला प्रशासन से कंम्पनी के अवैध कृत रोके जाने की मांग की है। आंगे देखना है कोई कार्यवाही की जाती है या नही।

चार लोगों पर करीब एक दर्जन लोगों ने किया हमला,घायल

तेंदूखेडा/ दमोह। दो पहिया वाहन और ट्रक चालक के विवाद में ट्रक चालक सहित उनके सहयोगियों ने चार लोगों पर कुल्हाड़ी, मुदानी और लाठियों से बुरी तरह घायल कर दिया. यह मामला जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत जबलपुर नाका चौकी के समीप हथना के समीप नारायण उर्फ निरपत, ठाकुर नाम से जाने वाला और इनके साथ करीब 8 से 10 लोगों ने मिलकर 4 लोगों पर हमला कर दिया. जहां चारों लोगों को सिर, हाथ, पैर व कमर और अन्य जगह चोट आने पर चारों को घायल हालत में जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है. जिनका उपचार जारी है, जानकारी के अनुसार पुलिस ने बताया कि घायल प्रदीप पिता डाल चंद पटेल उम्र 24 वर्ष निवासी हथना, भैया लाल पिता भरत पटेल उम्र 36 वर्ष हथना, गुड्डू पिता हल्काई उम्र 32 वर्ष निवासी किल्लाई और दीपक पिता बद्री पटेल उम्र 19 वर्ष निवासी हथना को चोटे आने पर इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है. डॉ सुनील जैन द्वारा उन चारों का इलाज किया गया है वहीं पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है.

परम्परागत तेंदूखेडा के वार्ड क्रमांक 12 में किया गया होलिका दहन, उत्साह और उमंग से लोगो ने खेली होली

तेंदूखेडा/दमोह-जिला दमोह के वार्ड क्रमांक 12 में परंपरागत होलिका दहन किया गया वार्ड क्रमांक 12 के लोगो एवम बच्चों ने मिलकर होलिका दहन का मैदान में आयोजन किया गया जिसमें वार्ड

वासियो एवम नगर वासियो ने बड चड हिस्सा लिया। दिनाक 17 मार्च राज 9 बजे शुभ मुहूर्त में होलिका दहन किया गया तमाम लोगो के बीच पंडित जी ने मंत्रोच्चारण किया दिप प्रज्ज्वलित करके आरती बन्दन किया फिर नारियल फोड कर होली का दहन किया गया उसके बाद लोगों ने परिक्रमा भी किया तथा बुराई पर अच्छाई का जश्न मनाया एवम जयकारे भी लगाए।फिर दूसरे दिन जिसे दुरेडी कहते हैं, लोगो ने खूब उमंग एवम उत्साह से रग गुलाल एक दूसरे को खूब लगाए।इस वर्ष की होली ओर कॅरोना का साया नही है पिछले दो बर्षो की होली पर वायरस का डाका डला हुआ था।इस वर्ष कोई खतरा नही था इसलिए लोगो ने खूब हुडदंग से होली खेली।लोगो ने गिले शिकवे भूल कर एक दूसरे को गले लगाया तथा होली कि शुभकामनाएं दी।

पुलिस द्वारा हत्या के आरोपी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

पन्ना/ दिनांक 19/02/2022 को फरियादी द्वारा थाना रैपुरा में रिपोर्ट की गई कि मेरे 08 वर्षीय बेटे को मेरे चचेरे भाई ने हसिया से गर्दन में कई प्रहार करके हत्या कर दी है फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध थाना रैपुरा में हत्या का अपराध क्रमांक 65/22 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । उक्त मामले की जानकारी थाना प्रभारी रैपुरा उनि घनश्याम मिश्रा द्वारा पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री धर्मराज मीना को दी गई । पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुये अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पवई श्री अभिषेक गौतम के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी रैपुरा उनि घनश्याम मिश्रा के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गठित की जाकर पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा घटना के बाद से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करते हुये पुलिस टीम द्वारा दिनांक 20/03/2022 को मुखबिर सूचना के आधार पर मामले के आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर पूँछताछ कर मेमोरेंडम कथन लेख किए गए

जिसके द्वारा मृतक की हँसिया से गला रेत कर हत्या करना व हँसिया को खेत में छुपा देना बताया आरोपी की शर्ट पर मृतक के खून के धब्बे थे जिसे मौके पर ही जप्त किया जाकर आरोपी के बताए स्थान से अपराध में प्रयुक्त हँसिया जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया जिसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है । उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी रैपुरा उनि घनश्याम मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक रामफल शर्मा, डीपी कुशवाहा, एम एल कोल, जगदीश सिंह, आरक्षक 482 फेरन सिंह, बालमुकुंद पटेल, बच्चू सिंह, ध्रुव सिंह, विशाल हेलोत एवं चालक आरक्षक प्रमोद प्रजापति की सराहनीय भूमिका रही।

वार्ता विफल होने का अर्थ तीसरा विश्व युद्ध होगा

कीव, (वार्ता)

जैसे ही यूक्रेन ने मारियुपोल को आत्मसमर्पण करने की मॉस्को की चेतावनी के बीच रूस के सामने झुकने से इंकार किया, तो यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने एक बार फिर दुनिया को याद दिलाया कि अगर बातचीत नहीं हुई, तो यह एक वैश्विक आपदा होगी। उनके डिप्टी ने सोमवार (मास्को समय) सुबह 5 बजे तक मारियुपोल शहर को छोड़ने की रूसी मांग को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी आत्मसमर्पण का कोई सवाल ही नहीं है। बीबीसी ने कहा कि रूसी रक्षा मंत्रालय ने शहर के आत्मसमर्पण के बदले मानवीय गलियारे खोलने की पेशकश की थी। इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति ने आरोप लगाया कि रूस ने मारियुपोल में युद्ध अपराध किए।

जेलेंस्की ने कहा है कि उनका मानना है कि रूस के आक्रमण के अंत में बातचीत करने में विफलता का अर्थ %तीसरा विश्व युद्ध होगा। सीएनएन से रविवार को बात करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि वह रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन से सीधे बातचीत के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि बातचीत ही लड़ाई को समाप्त करने का एकमात्र तरीका है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें बातचीत की संभावना के लिए किसी भी प्रारूप, किसी भी अवसर का उपयोग करना होगा। हालांकि, जेलेंस्की ने कहा कि वह किसी भी समझौते को खारिज करेंगे, जिसमें यूक्रेन को रूसी-प्रायोजित अलगाववादी क्षेत्रों को स्वतंत्र के रूप में मान्यता देने की आवश्यकता होगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने एक बार फिर कहा कि उनका मानना है कि अगर उनका देश नाटो का सदस्य होता, तो युद्ध शुरू नहीं होता। अगर नाटो के सदस्य हमें गठबंधन में शामिल करने के लिए तैयार हैं, तो इसे तुरंत करें, क्योंकि लोग रोज मर रहे हैं। मारियुपोल के मेयर के सलाहकार प्योत्र एंड्रीशेंको का कहना है कि मास्को के मानवीय वादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है, और शहर खुद का बचाव करना बंद नहीं करेगा। एंड्रीशेंको ने बीबीसी से कहा हम आखिर तक लड़ेंगे। एंड्रीशेंको ने हाल के दिनों में अन्य मारियुपोल अधिकारियों द्वारा किए गए अपुष्ट दावों को दोहराया कि रूसी सेनाएं अपने कुछ निवासियों को रूस में जबरन निकाल रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले शहर के एक विद्यालय पर हमला किया गया था, जहां करीब 400 लोग शरण लिए हुए थे। रविवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमर जेलेंस्की ने वैश्विक समर्थन रैली के प्रयासों के तहत वीडियो लिंक द्वारा इजराइल की संसद से बात की। उन्होंने इस्राइली सांसदों से कहा, हम जीना चाहते हैं। हमारे पड़ोसी हमें मारना चाहते हैं।

यूक्रेन के सूमी में अमोनिया का रिसाव

यूक्रेन के सूमी शहर में एक रासायनिक संयंत्र में अमोनिया का रिसाव हुआ है। क्षेत्रीय गवर्नर दिमित्रो ज़्यवित्स्की ने सोमवार को यह जानकारी दी। रिसाव स्थानीय समयानुसारसुबह 4:30 बजे हुआ। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार एक टेलीग्राम पोस्ट में उन्होंने सुमीखिंप्रोम संयंत्र के पांच किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को चेतावनी दी कि वे क्षेत्र छोड़ दें क्योंकि यह गैस खतरनाक है। उन्होंने कहा ,अमोनिया हवा से हल्का है, इसलिए आश्रयों, बेसमेंट और निचली मंजिलों को सुरक्षा के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। हालांकि उन्होंने लीक होने का कारण नहीं बताया। द गार्जियन ने ज़्विवित्स्की को यह कहते हुए उद्धृत किया कि आपातकालीन दल घटनास्थल पर मौजूद थे। यह घटना उस समय हुई है, जब रूसी सरकार ने यूक्रेन पर तात्कालिक रासायनिक हथियारों का उपयोग करने की तैयारी करने का आरोप लगाया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार देर रात दावा किया कि राष्ट्रवादियों ने सुमीखिंप्रोम में अमोनिया और क्लोरीन भंडारण सुविधाओं का खनन किया था, जिसका उद्देश्य रूसी सशस्त्र इकाइयों के शहर में प्रवेश करने पर सुमी क्षेत्र के निवासियों के बड़े पैमाने पर विषाक्तता फैलाना था।

क्या सियासत को अलविदा कह देंगे गुलाम नबी आजाद ?

नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने सियासत से सन्यास लेने के संकेत दिए हैं। हालांकि, उन्होंने इसको लेकर स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा। रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आजाद ने जम्मू-कश्मीर, राजनीति, रूस-यूक्रेन समेत कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने कहा कि अचानक से किसी दिन आपको पता चले कि मैं संन्यास ले चुका हूं और समाज सेवा करने लगा हूं। पांच राज्यों में कांग्रेस की चुनावी हार के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और जी-23 गुट के मुख्य सदस्य आजाद सुर्खियों में बने हुए हैं। इस पूरे विवाद के दौरान गुलाम नबी आजाद ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात कर पार्टी को मजबूत करने की बात कही थी। जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन और वरिष्ठ वकील एमके भारद्वाज की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेता ने कहा, हमको एक समाज में बदलाव लाना है। कभी-कभी मैं सोचता हूं, और कोई बड़ी बात नहीं है कि अचानक आप समझें कि हम रिटायर हो गए और समाजसेवा में लग गए। उन्होंने

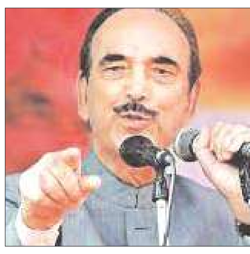

कहा, भारत में राजनीति इतनी खराब हो गई है कि कई बार शक होता है कि क्या हम इंसान हैं कार्यक्रम में चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अरुण गुप्ता, जम्मू यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति आरआर शर्मा और आरडी शर्मा, पूर्व एड्वोकेट जनरल असलम गोनी समेत कई बड़े नाम मौजूद थे। आजाद ने कहा, हम सब अगर एक शहर को एक प्रोविंस को ठीक करेंगे, तो पूरा हिंदुस्तान ठीक होगा। इस दौरान उन्होंने बदलाव लाने के लिए किसी भी राजनीतिक दल की क्षमताओं पर संदेह जताया। उन्होंने कहा, हमने इलाके के नाम पर बांट दिया लोगों को... फिर रीजन के नाम पर बांट दिया, गांव और शहर के नाम पर बांट दिया। भाषण के अंत में उन्होंने कहा, मैं अपने आप को अपनी इंडिविजुअल कैपेसिटी में... एक इंसान की कैपेसिटी में... उस असली काम के लिए, सेवा के लिए, इंसान के लिए, अपने आप को समर्पित करता हूं। जब भी आप चाहेंगे मुझे अपने साथ देखेंगे। जम्मू और कश्मीर को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा कि आतंकवाद ने यहां कई जिंदगियां तबाह कर दी हैं, जिसमें पाकिस्तान बड़ी भूमिका निभा रहा है। आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों, पुलिसकर्मियों को मारा और कई को विधवा बना दिया, फिर चाहे वे कश्मीरी पंडित हों या कश्मीरी मुस्लिम। उन्होंने कहा कि जान गंवाने वाली बात को राजनीतिक रंग देना गलत है, क्योंकि क्षेत्र में सभी लोग आतंकवाद से प्रभावित हैं।

बीजेपी नेता का दावा!

केवल 2 घंटे सोते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने बताया कि, पीएम मोदी रोजाना केवल 2 घंटे सोते हैं और 22 घंटे काम करते हैं। उन्होंने कहा कि, पीएम मोदी एक प्रयोग कर रहे हैं, ताकि उन्हें सोना की जरूरत न पड़े और वह देश के लिए 24 घंटे काम कर सकें। यह दावा चंद्रकांत पाटिल ने कोल्हापुर उत्तर विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही है। पाटिन ने कहा कि, पीएम मोदी अपनी नींद रोकने की कोशिश कर रहे हैं जिससे वह 24 24 घंटे जागकर देश के लिए काम कर सकें।

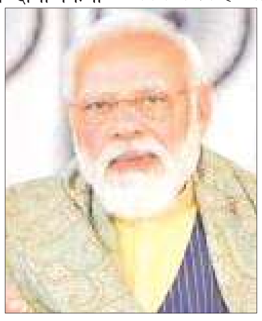

उन्होंने कहा कि, पीएम मोदी एक भी मिनट बर्बाद होने नहीं देना चाहते हैं, पीएम जी बहुत ही कुशलता के साथ देश के लिए काम करते हैं और किसी भी पार्ची में होने वाली घटनाओं की पूरा विवरण करते हैं। सभा को संबोधित करते हुए पाटिल ने कहा कि, पीएम मोदी केवल 2 घंटे सोते हैं और रोजाना 22 घंटे काम करते हैं। पाटिल ने यह भी दावा किया है कि, पीएम मोदी हर मिनट देश के लिए काम करते हैं। आपको बता दें कि, 2019 में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने पीएम मोदी का एक गैर-राजनीतिक इंटरव्यू दिया था जिसमें पीएम मोदी ने खुद कहा था कि, वह 4 घंटे सोते हैं।

बहुत शक्तिशाली देश है रूस! कड़े प्रतिबंधों के बावजूद यूएस-यूके के इन सहयोगी देशों को हो रहा बड़ा नुकसान

वाशिंगटन

यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध को 26 दिन हो गए हैं और अभी भी दोनों देशों के बीच शांति कायम नहीं हो पाई है। इस बीच पश्चिमी देशों ने रूस पर कई कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन कड़े प्रतिबंधों से रूस की इकॉनोमी पर भी काफी असर पड़ता जा रहा है लेकिन इन सबके बावजूद यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस शांत नहीं हुआ है। रूस पर लगे कड़े प्रतिबंधों से अमेरिका और ब्रिटेन को भी बारी नुकसान झेलना पड़ रहा है जिसमें से एक है एविएशन सेक्टर। जानकारी के लिए बता दें कि, रूस के राष्टपति व्लादिमिर पुतिन ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी है जिससे पश्चिमी कंपनियों को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है।

इस प्रस्ताव के मुताबिक, रूस उन कंपनियों की संपत्तियां जब्त कर नेशनलाइज कर दे, जो वहां से कारोबार को समेट कर जा रही हैं। आपको बता दें कि, रूस के पास 500 से ज्यादा विमान हैं और यह सारे विमान एक विदेश कंपनी के है जो लीज पर ऑपरेट किए जा रहे हैं। विमान के लीज पर देने वाली कंपनियों को रूस पर लगे कड़े प्रतिबंधों से 12 से 15 बिलियन डॉलर तक का नुकसान झेलना पड़ जाएगा। आयरलैंड की विमान कंपनी एयरकेप को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है।

इस कंपनी के 1000 से भी ज्जादा विमान लगभद 80 देशों में लीज पर चल रहे हैं जिसमें से 150 विमान रूस को लीज पर दिए गए हैं। कंसल्टेंसी फर्म एसीसी एविएशन के आंकड़ों के मुताबिक, इस कंपनी को 2.5 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। वहीं एयरकेप की वेसबाइट के मुताबिक, एरोलोफ्ट, एस7 एयरलाइन, रोसिया, अजुर एयर, युरल एयरलाइंस जैसी रूस की विमान कंपनियां एयरकेप की क्लाइंट हैं। रूस पर यूरोपीय यूनियन के बैन के बाद एयर विमान कंपनी एयरकेप ने रूस की विमान कंपनियों के साथ अपना कांट्रैक्ट भी खत्म करने का ऐलान किया हैं। आयरलैंड की एक अन्य कंपनी एसएमबीसी के भी कई विमान रूस में लीज पर हैं। जानकारी के लिए बता दें कि, रूस के पास अभी 980 एयरक्राफ्ट सर्विस में हैं।

इनमें से लगभग 777 विमान लीज पर हैं और 515 विमान विदेशी कंपनियों के हैं। वहीं सिंगापुर की कंपनी एओसी एविएशन और आयरलैंड की एक अन्य कंपनी एवलोन के करीब 20-20 विमान रूस में हैं। यह वह कपंनियां है जिनका न केवल लीज समाप्त हो रहा है बल्कि आय का भी भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। रूस के खिलाफ कई देशों ने अपना हवाई मार्ग भी बंद कर दिया है।

रूस को हथियार नहीं भेज रहा बीजिंग : चीनी दूत

वाशिंगटन,

अमेरिका में चीन के राजदूत किन गैंग ने इस बात को खारिज कर दिया है कि बीजिंग ने यूक्रेन युद्ध के बीच रूस को सैन्य सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि बीजिंग ने युद्धविराम का आह्वान करके, शांति वार्ता को बढ़ावा देकर और मानवीय सहायता भेजकर युद्ध का जवाब दिया। सीबीएस न्यूज ने किन के हवाले से कहा, शुक्रवार को राष्टपति शी जिनपिंग और राष्टपति बाइडेन के बीच एक वीडियो कॉल पर बातचीत हुई थी। इस दौरान राष्टपति शी ने चीन की स्थिति को बहुत स्पष्ट किया, यानी चीन शांति के लिए खड़ा है और युद्ध का विरोध करता है। चीन द्वारा रविवार को रूस को सैन्य सहायता भेजने के आरोपों का खंडन करते हुए उन्होंने कहा, चीन द्वारा रूस को सैन्य सहायता प्रदान करने की सूचना गलत है। हम इसे अस्वीकार करते हैं। चीन भोजन, दवा, स्लीपिंग बैग और बेबी फॉर्मूला भेज रहा है। उन्होंने आगे कहा, यूक्रेन की स्थिति को इस तरह से देखने से हमें नफरत है और हम तत्काल युद्धविराम का आह्वान करते हैं, और हम शांति वार्ता को बढ़ावा दे रहे हैं, और हम मानवीय सहायता

भेज रहे हैं। शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शी जिनपिंग को यूक्रेन के शहरों और नागरिकों पर हमलों के बीच रूस को सहायता प्रदान करने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। जवाब में, शी ने कहा, सभी पक्षों को रूस और यूक्रेन को संयुक्त रूप से बातचीत का समर्थन करने की आवश्यकता है। बातचीत ही परिणाम देगा और शांति की ओर ले जाएगी। चीन एक शांतिप्रिय देश है।

कोविड के कारण प्रभावित हुई सेना की भर्ती प्रक्रिया : रक्षा मंत्रालय

नयी दिल्ली (वार्ता)

सरकार ने आज कहा कि कोविड के कारण लगी पाबंदियों के चलते वर्ष 2020 और 2021 में सशस्त्र सेनाओं की भर्ती प्रक्रिया प्रभावित हुई है। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने सोमवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सवालों के जवाब में कहा कि कोविड की पाबंदियों के चलते पिछले दो वर्षों में भर्ती रैलियों का आयोजन प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि भर्ती रैलियों में बड़ी संख्या में उम्मीदवार हिस्सा लेते हैं इसलिए कोविड के कारण इनका पिछले वर्षों

की भांति आयोजन नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि वैसे वायु सेना और नौसेना में ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया जारी रही है और बड़ी संख्या में अधिकारियों की भर्ती की गयी है। सशस्त्र सेनाओं में कांबेट रोल में महिलाओं की भूमिका के बारे में पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा कि कहीं पर भी कोई रोक नहीं है और जहां कुछ सवाल हैं वहां इनके बारे में विचार चल रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भर्ती के मामले में पूछे गये सवाल के जवाब में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सेनाओं की ओर से हर वर्ष 90 से 100 भर्ती रैलियों का आयोजन किया जाता है। इसमें यह ध्यान रखा जाता है कि देश का एक भी जिला इससे अछूता न रहे। उन्होंने कहा कि यह निरंतर प्रक्रिया है और एक रैली के दौरान कम से कम 6 से 8 जिलों को कवर किया जाता है। सेनाओं में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के अधिकारियों के आंकड़े के बारे में पूछे जाने पर श्री भट्ट ने कहा कि इसकी जानकारी आंकडे एकत्र कर दी जायेगी।

इस हफ्ते पोलैंड की यात्रा करेंगे बाइडेन

वाशिंगटन, (वार्ता) अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन इस सप्ताह पोलैंड की यात्रा करेंगे। इस दौरान वह यूक्रेन का समर्थन करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों और रूस पर और प्रतिबंधों पर चर्चा करेंगे। रविवार को व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा, इस सप्ताह राष्ट्रपति बाइडेन बेल्जियम में हमारे नाटो सहयोगियों, जी 7 नेताओं और यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ यूक्रेन का समर्थन करने और रूस पर और प्रतिबंध लागू करने की चर्चा के लिए पोलैंड की यात्रा करेंगे। 25 मार्च को बाइडेन पोलैंड के वारसॉ की यात्रा करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति आंद्रेजेज डूडा के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

घोषित योजनाओं को लागू करने के लिए संघर्ष कर रही पोंडी सरकार : नारायणसामी

पुड्डुचेरी, (वार्ता)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वी नारायणसामी ने दावा किया है कि केंद्र शासित प्रदेश में एन आर कांग्रेस-भाजपा सरकार वित्तीय संकट के कारण घोषित योजनाओं को लागू करने के लिए संघर्ष कर रही है। रविवार रात यहां मीडिया को भेजे गए एक वीडियो क्लिप में श्री नारायणसामी ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में एनडीए सरकार, जो अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा करने वाली है, केंद्र से धन प्राप्त करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार पिछली कांग्रेस-डीएमके सरकार की तुलना में अधिक धन प्राप्त करने में विफल रही है।

उन्होंने आश्चर्यचकित होते हुए कहा, सरकार गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है और मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी केंद्र के साथ अच्छे संबंध होने के बावजूद 2022-23 के लिए पूर्ण बजट पेश करने की अनुमति क्यों नहीं ले सके। नारायणसामी ने सवाल किया कि क्या इसमें भाजपा नेता बाधा डाल रहे हैं या केंद्र सरकार रंगास्वामी को पूर्ण बजट पेश करने से रोक रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि श्री रंगास्वामी इन सभी का स्पष्टीकरण दें और इस सवाल पर भी कि क्या एन आर कांग्रेस-बीजेपी गठबंधन में कोई दरार है। मुख्यमंत्री और मंत्री कार्यालय को दलालों का अड्डा बनने के अपने पहले के बयान की ओर इशारा करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि एक पुलिस कांस्टेबल की नियुक्ति के लिए रिश्वत के रूप में 7 लाख रुपये की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर रंगास्वामी भ्रष्टाचार मुक्त सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं, तो उन्हें उनकी योग्यता के आधार पर कांस्टेबलों की नियुक्ति के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए, ऐसा न करने पर लोग समझेंगे कि मुख्यमंत्री ने भी भ्रष्टाचार का समर्थन किया है।

उपराज्यपाल डॉ तमिलिसाई सुंदरराजन और मुख्यमंत्री के साथ-साथ मंत्रियों और विधायकों द्वारा फिल्म कश्मीर फाइल्स देखने का जिक्र करते हुए, उन्होंने आश्चर्य जताया कि एलजी उस फिल्म से इतने चिंतित क्यों हैं, जो सांप्रदायिक हिंसा को भड़काती है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

44 वर्ष की हुई रानी मुखर्जी

बॉलीवुड में अपने संजीदा अभिनय से दर्शकों को अपना दीवाना बनाने वाली रानी मुखर्जी आज 44 वर्ष की हो गयी।

21 मार्च 1978 को जन्मीं रानी मुखर्जी ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1997 में प्रदर्शित फिल्म राजा की आयेगी बारात से की।फिल्म हालांकि टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी लेकिन रानी मुखर्जी ने अपने संजीदा किरदार के जरिये दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।वर्ष 1998 रानी मुखर्जी के करियर के लिये महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ।इस वर्ष उन्हें आमिर खान के साथ गुलाम और शाहरूख खान के साथ कुछ कुछ होता है में काम करने का अवसर मिला।दोनो हीं फिल्में टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी।कुछ कुछ होता है के लिये रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का फिल्म फेयर पुरस्कार भी दिया गया।

वर्ष 1999 से लेकर वर्ष 2002 तक का वर्ष रानी मुखर्जी के करियर के लिये बुरा वक्त साबित हुआ।इस दौरान रानी मुखर्जी की हैलो ब्रदर,बादल,हर दिल जो प्यार करेगा,हद कर दी आपने,बिच्छू,कहीं प्यार ना हो जाये,चोरी चोरी चुपके चुपके,बस इतना सा ख्वाब है,प्यार दीवाना होता है,मुझसे दोस्ती करोगे जैसी फिल्में प्रदर्शित हुयी लेकिन इन फिल्मों को टिकट खिड़की पर अपेक्षित सफलता नही मिल सकी।वर्ष 2002 में प्रदर्शित यश राज बैनर तले बनी फिल्म साथिया रानी मुखर्जी के करियर की हिट फिल्म साबित हुयी।इस फिल्म में रानी मुखर्जी की जोड़ी विवेक ओबेराय के साथ काफी पसंद की गयी।वर्ष 2003 में प्रदर्शित फिल्म चलते चलते में रानी मुखर्जी को एक बार फिर से किंग खान शाहरूख खान के साथ काम करने का अवसर मिला।यह फिल्म भी सुपरहिट साबित हुयी।

वर्ष 2004 रानी मुखर्जी के करियर के लिये महत्पूर्ण वर्ष साबित हुआ।इस वर्ष उनकी युवा,हमतुम और वीर जारा जैसी फिल्में प्रदर्शित हुयी।इन सभी फिल्मों में रानी मुखर्जी ने अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय दिया और अपने निभाये किरदारों के जरिये दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।वर्ष 2005 में

प्रदर्शित फिल्म ब्लैक रानी मुखर्जी के करियर की सर्वाधिक महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है।संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रानी मुखर्जी को सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का अवसर मिला।रानी मुखर्जी ने अपने सधे हुये अभिनय से न सिर्फ दर्शकों का बल्कि समीक्षकों का भी दिल जीत लिया।

र्ष 2005 में प्रदर्शित फिल्म बंटी और बबली रानी मुखर्जी के करियर की एक और सुपरहिट साबित हुयी।यश राज बैनर तले बनी इस फिल्म के जरिये रानी मुखर्जी और अभिषेक बच्चन की जोड़ी ने दर्शको को अपने कारनामों के जरिये हंसाते हंसाते लोटपोट कर दिया।वर्ष 2006 में रानी मुखर्जी को एक बार फिर से अमिताभ बच्चन के साथ बाबुल में काम करने का अवसर मिला।रवि चोपड़ा निर्देशित यह फिल्म हालांकि टिकट खिड़की पर कोई खास कमाल नही दिखा सकी लेकिन रानी मुखर्जी के अभिनय को दर्शकों ने अवश्य पसंद किया।इसी वर्ष रानी मुखर्जी की करण जौहर निर्देशित फिल्म कल हो ना हो प्रदर्शित हुयी जो टिकट खिड़की पर हिट साबित हुयी।

वर्ष 2007से वर्ष 2010 तक का वक्त एक बार फिर से रानी मुखर्जी के करियर के लिये बुरा वक्त साबित हुआ।इस दौरान उनकी तारा रम पम,लागा चुनरी में दाग,थोड़ा प्यार थोड़ा मैजिक,सांवरिया.लक बाई चांस,दिल बोले हड़िप्पा प्रदर्शित हुयी लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ढ़ेर हो गयी।रानी मुखर्जी को विभिन्न श्रेणियों में सात बार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।रानी मुखर्जी बॉलीवुड की उन गिनी चुनी अभिनेत्रियों में शामिल है जिन्होंने खान त्रिमूर्ति .आमिर खान.सलमान खान और शाहरूख खान के साथ काम किया है।रानी मुखर्जी की जोड़ी बॉलीवुड के छोटे नवाब सैफ अली खान.अभिषेक बच्चनबॉबी देओल के साथ भी पसंद की गयी।

वर्ष 2011 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म नो वन किल्ड जेसिका के जरिये रानी मुखर्जी ने एक बार फिर से दर्शकों का दिल जीत लिया।वर्ष 2012 में रानी मुखर्जी को एक बार फिर से आमिर खान के साथ तलाश में काम करने का अवसर मिला।रानी मुखर्जी ने वर्ष 2014 में जानेमाने फिल्मकार आदित्य चोपड़ा से शादी कर ली ।इसी वर्ष रानी की फिल्म मर्दानी प्रदर्शित हुयी जिसमें उनहोंने अपने दमदार अभिनय से दर्शको को मंत्रमुग्ध कर दिया। वर्ष 2018 में रानी मुखर्जी की सुपरहिट फिल्म हिचकी प्रदर्शित हुयी। इसके बाद रानी मुखर्जी ने मर्दानी 2 और बंटी और बबली 2 जैसी फिल्मों में काम किया है। रानी की आने वाली फिल्मों में मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे प्रमुख है।

हुमा ने महारानी सीजन-2 की शूटिंग पूरी की

हुमा कुरैशी ने वेबसीरीज महारानी सीजन 2 की शूटिंग पूरी कर ली है। हुमा कुरैशी अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी आने फिल्मों से जुड़े अपडेट शेयर करती रहती हैं। हुमा कुरैशी ने वेब सीरीज महारानी के दूसरे सीजन की शूटिंग को पूरा कर लिया है। वेब सीरीज की शूटिंग को भोपाल, होशंगाबाद और जम्मू-कश्मीर में फिल्माया गया है। हुमा कुरैशी ने कहा, जम्मू-कश्मीर में फिल्म का काफी छोटा शेड्यूल शूट किया गया है। वहां महत्वपूर्ण कहानी को फिल्माया गया है। सीजन 2 बहुत सारे ट्विस्ट और टर्न से भरा हुआ है।द्वद्व करण शर्मा द्वारा निर्देशित इस राजनीतिक थ्रिलर वेब सीरीज को सुभाष कपूर ने लिखा है। महारानी के पहले सीजन में हुमा कुरैशी ने राजनेता रानी भारती का मुख्य किरदार निभाया है। महारानी वेब सीरीज की कहानी 1990 के दशक में बिहार में हुई राजनीतिक घटनाओं से प्रेरित है।

रीमेक फिल्में नहीं देखना चाहती है अनन्या पांडे

अनन्या पांडे का कहना है कि वह रीमेक फिल्में नहीं देखना चाहती है। बॉलीवुड में रीमेक फिल्मों का चलन जोरो पर है। अनन्या ने एक रीमेक फिल्म पति, पत्नी और वो में काम किया है। अनन्या पांडे को उम्मीद है कि इंडस्ट्री में रीमेक का चलन खत्म हो जाएगा। अनन्या ने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम कोई और रीमेक नहीं बनाएंगे। मैं वास्तव में इससे बहुत खुश हूं। यह समय है जहां हम ओरिजिनल, ब्रेवर और कॉम्प्लेक्स स्टोरी करें। इसलिए, मैं उस फेस में हूं जहां मैं वास्तव में और रीमेक नहीं देखना चाहती हूं। अनन्या इन दिनो पुरी जगन्नाथ की फिल्म लाइगर में काम कर रही हैं, जिसमें उनके साथ विजय देवरकोंडा लीड रोल में हैं। अनन्या लाइगर के अलावा जोया अख्तर की फिल्म खो गए हम कहां की शूटिंग भी कर रही हैं, जिसमें उनके को-स्टार्स सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव हैं।

शक्कर-तेल व्यापारी के 15 ठिकानों पर छापे

नौकरों के नाम पर मंगाते थे माल, 100 करोड़ से अधिक टैक्स चोरी का अंदेशा, जबलपुर, भोपाल में कार्रवाई

जबलपुर

आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग ने सोमवार को जबलपुर, नरसिंहपुर और भोपाल में एक साथ 15 जगह छापा मारा। ये कार्रवाई कटंगा क्क्र कॉलोनी के रहने वाले शक्कर व तेल के थोक व्यापारी भरत चिनानी और सुरेश हथवानी के ठिकानों पर की गई। ये लोग टैक्स बचाने के लिए नौकरों के नाम पर थोक व्यापार कर रहे थे। प्रारंभिक आकलन में व्यापारी के घर से बड़ी मात्रा में सोने और हीरे की ज्वेलरी समेत बड़ी मात्रा में लेन-देन से जुड़े दस्तावेज जब्त हुए हैं। आशंका है कि 100 करोड़ से अधिक की टैक्स चोरी की गई है। विभाग के जॉइंट डायरेक्टर मुनमुन शर्मा ने बताया कि टैक्स चोरी की सूचना पर कार्रवाई चल रही है। सर्चिंग की जा रही है। क्क्र कॉलोनी कटंगा निवासी भरत चिनानी और सुरेश हथवानी शक्कर व तेल के थोक व्यापारी

हैं। इनकी सप्लाई महाकौशल और भोपाल तक होती है। ये सीधे शुगर मिल से माल खरीदते हैं।

नरसिंहपुर में शुगर मिल में दबिश- आयकर विभाग की एक टीम नरसिंहपुर स्थित महाकौशल शुगर मिल में भी दबिश देने पहुंची। ये शुगर मिल नवाब रजा की है। वहां पर टीम ने भरत चिनानी व सुरेश हथवानी द्वारा दिए गए ऑर्डर संबंधी दस्तावेज खंगाले। दरअसल, दोनों व्यापारी टैक्स बचाने के लिए नौकरों के नाम से सप्लाई मंगाते थे। उनके नौकरों के नाम पर इन्वॉइस बनती थीं। छापे के दौरान ऐसे कई इन्वॉइस टीम के हाथ लगे हैं।

जबलपुर में आठ स्थानों पर दबिश- आयकर इंवेस्टिगेशन विंग व्यापारियों के घर, गोरखपुर, घंटाघर, नया मोहल्ला ओमती, गुरंदी सहित आठ स्थानों पर सर्चिंग में जुटी रही। इसके अलावा नरसिंहपुर और भोपाल में भी कई जगह सोमवार देर रात तक कार्रवाई जारी थी। घर और कार्यालय से बड़ी मात्रा में व्यापार संबंधी दस्तावेज, कंप्यूटर हार्ड डिस्क जब्त हुए हैं। बताया जा रहा है कि ये 100 करोड़ से अधिक टैक्स चोरी का मामला है।

ज्वेलरी का आकलन कराने सराफा व्यापारी को बुलाया- छापे के दौरान शक्कर व्यापारी के घर टीम को बड़ी मात्रा में गोल्ड, हीरा सहित अन्य ज्वेलरी मिली है। जिसकी कीमत का आकलन करने के लिए सराफा कारोबारी जयंत कुमार पारिख को बुलाया गया था। वे गोल्ड का वैल्यूएशन कर निकल गए। प्रारंभिक आकलन में 100 करोड़ से अधिक के टैक्स चोरी की बात सामने आई है। हालांकि अधिकारियों ने कार्रवाई पूरी होने के बाद ही कुछ बताने की बात कही है।

पुलिस टीम पर हमला, आरक्षक का मोबाइल तोड़ा

जबलपुर की कुंडम पुलिस पहुंची थी वाहन जब्त करने, विरोध करने पर वीडियो बना रहे आरक्षक का मोबाइल छीन कर तोड़ा

जबलपुर

जबलपुर में बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे पुलिस टीम पर हमला बोल दे रहे हैं। वीडियो बना रहे आरक्षक के हाथों से मोबाइल छुड़ा कर तोड़ देते हैं। ये घटना मझगवां क्षेत्र की है। कुंडम पुलिस एक्सीडेंट में शामिल वाहन की जब्ती के लिए रजगवां गांव पहुंची थी। तभी आरोपी पुलिस से भिड़ गए। मझगवां पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

मझगवां पुलिस के मुताबिक कुंडम क्षेत्र की बघराजी चौकी से आरक्षक नरेंद्र राजपूत और आरक्षक ज्ञान प्रकाश पांडे एक्सीडेंट के मामले में वाहन की जब्ती करने रजगवा गांव पहुंचे थे। दोनों आरक्षकों को एक्सीडेंट में शामिल वाहन-6609 एक घर के पास खड़ा मिल गया। पुलिस वाहन मालिक को अपने साथ थाने ले जाने लगी, तो गांव के लोग आक्रोशित हो गए। पुलिस की करवाई का विरोध करने लगे।

आरक्षकों पर भड़क गए लोग

पुलिस ने समझने का प्रयास किया पर ग्रामीण और महिलाएं पुलिस से भिड़ गईं। आरक्षक ज्ञान प्रकाश पांडे मोबाइल निकाल कर वीडियो बनाने लगे। जिसे ग्रामीणों ने हाथ से छुड़ा कर तोड़ दिया। दोनों आरक्षकों के साथ मारपीट कर दी। दोनों आरक्षक भाग कर बघराजी चौकी पहुंचे और घटना के बारे में रिपोर्ट दी।

बघराजी चौकी पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मझगवां को भेजा

बघराजी पुलिस ने मामले में आरोपी शाहिद अहमद मंसूरी और उसकी बेटी सहित अन्य के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचो सहित अन्य प्रकरण दर्ज करते हुए केस डायरी मझगवां थाने को ट्रांसफर कर दी। मझगवां पुलिस ने असल कायमी करते हुए प्रकरण को जांच में लिया है।

जबलपुर में कैफे बने रेप के अड्डे

प्रेग्नेंट हुई युवती, तब पुलिस ने दर्ज किया रेप का मामला, कैफे संचालकों पर कार्रवाई न होने से बढ़ रहे मामले

जबलपुर

शहर में संचालित कैफे रेप के अघोषित अड्?डे बनते जा रहे हैं। एक युवती प्रेग्नेंट होने के बाद मदनमहल थाने पहुंची, तो एक बार फिर इसकी पुष्टि हुई। मदनमहल पुलिस ने रेप का मामला दर्ज कर प्रकरण को जांच में लिया है।

मदन महल पुलिस के मुताबिक धनवंतरी नगर निवासी 22 वर्षीय युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी मदन महल निवासी निक्की ठाकुर से दोस्ती थी। निक्की ठाकुर बीते 20 अक्टूबर 2021 को उसे रानीताल मदन महल में हनुमान मंदिर के सामने स्थित ङ्क-कैफे ले गया था। यहां शादी का झांसा देकर उसने उसके साथ रेप किया और धमकी देकर खामोश करा दिया।

प्रेग्नेंट होने पर युवती ने घरवालों को बताया

युवती प्रेग्नेंट हो गई है। युवती ने हिम्मत कर परिजनों से इसके बारे में बताया। इसके बाद वह परिजनों के साथ मदन महल थाने पहुंचकर आरोपी निक्की ठाकुर के खिलाफ रेप का प्रकरण दर्ज कराया।

मदन महल टीआई नीरज वर्मा ने बताया कि आरोपी निक्की ठाकुर की तलाश जारी है।

V-कैफे में रेप की दूसरी घटना

V-कैफे में कुछ महीने पहले भी एक लड़की के साथ रेप हो चुका है। इसकी रिपोर्ट भी मदन महल थाना में दर्ज है। इसके अलावा शहर के कई कैफे में पूर्व में रेप की वारदात सामने आ चुकी है। सबसे अधिक रेप के मामले विजयनगर, अधारताल क्षेत्र में बने कैफे में सामने आए हैं। बावजूद इन कैफे की जांच नहीं हो रही है। कैफे संचालक पैसे लेकर घंटे के अनुसार लड़के लड़कियों को प्राइवेट केबिन उपलब्ध कराते हैं।

स्पा सेंटर पर बमबाजी: जबलपुर में स्कूटी सवार बदमाशों ने फेंके बम, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

जबलपुर। जबलपुर में उखरी एमआर-4 रोड स्थित एक स्पा सेंटर पर बमबाजी की घटना सामने आई है। सीसीटीवी में स्पष्ट दिख रहा है कि दो बदमाश स्कूटी से पहुंचे और बम पटक दिया। घटना में किसी को कोई चोट तो नहीं आई, लेकिन दहशत फैल गई। मौके पर लार्डगंज पुलिस पहुंची थी।लार्डगंज पुलिस के मुतबिक एमआर-4 रोड स्थित स्पा सेंटर के सामने दो युवक 6 से 7 बजे के बीच रुके। दोनों में पीछे बैठा युवक स्कूटी से उतर कर दो बम फेंके और फिर दोनों स्कूटी से भाग निकले। स्पा सेंटर में लगे सीसीटीवी में बदमाश नकाबपोश बदमाश कैद हो गए। बम दीवार पर फटा था, इस कारण किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि ये सुतली बम है। इसका मकसद डराना रहा होगा। स्पा सेंटर संचालक की ओर से शिकायत दी गई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

तलवार से जानलेवा वार : जबलपुर में भाईदूज में टीका लगवाने गए युवकों पर तलवार से हमला

आरोपियों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

जबलपुर

भाईदूज पर टीका लगवाने पहुंचे तीन युवकों से कुछ लोगों ने विवाद के बाद तलवार से जानलेवा वार कर दिया। युवकों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधारताल पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है।

अधारताल पुलिस के मुताबिक शीतलपुरी घमापुर

निवासी 22 वर्षीय सेवा विश्वकर्मा साथी हितेश विश्वकर्मा और संदीप कोरी के साथ भाई दूज पर टीका लगवाने के लिए इमलिया मोड़ स्थित सुरेश कोरी के घर गया था। देर रात सभी लोग बात कर रहे थे, तभी वहां आकाश राजपूत अपने दो अन्य साथियों के साथ पहुंचा और विवाद करने लगा। शिवा ने विरोध किया तो आकाश और उसके साथियों ने उस पर तलवार से हमला कर दिया।

दोस्त को बचाने गए तो उन पर भी किया तलवार से वार- शिवा को बचाने हितेश विश्वकर्मा और संदीप कोरी गए तो आरोपियों ने उक्त दोनों पर भी तलवार से वार कर घायल कर दिया। इसके बाद तीनों आरोपी तलवार लहराते हुए फरार हो गए। घटना में शिवा, हितेश और संदीप के सिर, गर्दन, शरीर में चोटें आई हैं। अधारताल पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

बर्थडे पार्टी में दो पक्षों में मारपीट

जबलपुर। जबलपुर में बर्थडे पार्टी के दौरान दो पक्षों में मारपीट हो गई। डांस कर रहे एक युवक पर विवाद करने पहुंचे दूसरे पक्ष के लोगों ने जानलेवा वार कर दिया। युवक को गंभीर हालत में लोग लार्डगंज थाने और वहां से अस्पताल ले गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं।लार्डगंज पुलिस के मुताबिक लाल स्कूल भोलेनाथ मंदिर के पास रत्नेश अग्रवाल की बर्थडे पार्टी थी। वहां रामनगर गढ़ा फाटक निवासी अरविंद कुमार पांडे भी साथी निखिल पटेल, हिमांशु साहू, सत्यम सेन के साथ पहुंचा था। सभी डांस कर रहे थे, तभी सचिन उर्फ सच्चू अहिरवार, अपने भाई बिप्पी अहिरवार और दोस्त सौरभ सेन के साथ पहुंचा। तीनों उससे कहने लगे कि, उसे कौन गाली दे रहा था? मना करने पर तीनों ने हत्या की नियत से किसी नुकीली चीज से हमलाकर सिर, माथे में चोट पहुंचा दी। बिप्पी ने उसकी पीठ पर भी चाकू से वार किए। वहीं गढ़ा फाटक निवासी सौरभ सेन ने शिकायत दर्ज कराई कि वह बड़ी महाकाली के पास से घर पैदल जा रहा था। लाल स्कूल शंकर मंदिर के पास पहुंचा। वहां रत्नेश अग्रवाल की बर्थडे पार्टी चल रही थी। रामनगर का निखिल पटेल भी था। उसने सौरभ से शराब पीने पैसे मांगे। मना करने पर विवाद करते हुए डंडे से सिर पर चोट पहुंचा दी। लार्डगंज पुलिस ने अरविंद की शिकायत पर हत्या के प्रयास, धमकी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। वहीं सौरभ सेन की शिकायत पर मारपीट व धमकी का प्रकरण दर्ज किया।

जबलपुर में एम्बुलेंस ठेकाकर्मियों की गुंडागर्दी : वार्ड में घुसकर बुजुर्ग के पेट पर घुटना रखा, खून की उलटी करते हुए मौत, बेटा बोला- मदद करने की सजा मिली

जबलपुर। जबलपुर में एम्बुलेंस संचालकों की दादागीरी चल रही है। यहां मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रविवार रात इसका खामियाजा बुजुर्ग महिला और उसके बेटे को उठाना पड़ा। वार्ड में पड़ोसी मरीज को सस्ते में एम्बुलेंस उपलब्ध कराने में मदद की कीमत वृद्धा को जान देकर, तो बेटे को मारपीट के रूप में चुकानी पड़ी। गढ़ा पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

अस्पताल के वार्ड 16 में भर्ती फूलाबाई अहिरवार (59) के बेटे हेमराज की आंखों में निजी एम्बुलेंस संचालक व ठेका कर्मी का खौफ साफ दिख रहा है। रुंधे गले से हेमराज बोले- मुझे नहीं पता था कि इतने बड़े अस्पताल में कोई बाहरी घुस कर ऐसा कर देगा। मेरी गलती क्या थी?

एक असहाय बुजुर्ग की मदद ही तो की थी। इसी गुनाह की कीमत दरिंदों ने मां की जान लेकर चुकाई। नरसिंहपुर के चीचली निवासी हेमराज ने दैनिक भास्कर से दर्द साझा किया तो कई बार उनकी आंखों में आंसू भर आए। हेमराज के शब्दों में जाने पूरी घटनाज

मेरी मां फूलाबाई को लीवर संबंधी बीमारी थी। पहले भी मेडिकल में इलाज करा चुका था। तबीयत कुछ खराब हुई, तो 12 मार्च को फिर लाया था। वार्ड नंबर 16 में भर्ती किया था। बगल में दमोह का परिवार भर्ती था। एक बुजुर्ग दादा देखभाल के लिए रुके थे। मेरी मां अच्छी हो चुकी थीं। एक-दो दिन में डिस्चार्ज होने वाली थी। बगल में भर्ती दमोह की महिला का रविवार को निधन हो गया। दादा बोले कि एम्बुलेंस करा दो। वार्ड में काम करने वाला कर्मी आया और एक एम्बुलेंस वाले से बात कराई। उसने

8 हजार रुपए मांगे। बुजुर्ग दादा ने मुझसे मदद मांगी। मेरे पास एक नंबर था। बात की तो उसने 4 हजार रुपए मांगे। दादा ने 3500 रुपए कहा, तो वह तैयार हो गया। बुजुर्ग दादा शव लेकर चले गए। इसी के कुछ समय बाद मेरे मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉलर ने गाली देते हुए नीचे बुलाया। मैंने मना कर दिया। कुछ देर बाद 15-20 की संख्या में एम्बुलेंस संचालक और ठेका कर्मी पहुंचे और बिना कुछ कहे मुझे मारने-पीटने लगे। मैं बचने के लिए बेड के नीचे से दूसरी ओर निकला। इसी दौरान आरोपी बेड पर चीख रही मां के पेट पर घुटना रखकर मुझे पकड़ने दौड़े। मेरी मां के मुंह से खून की उलटी और शौच हो गया। थोड़ी देर तड़पी और शांत हो गई। आरोपियों ने मेरी शर्ट फाड़ दी। बेरहमी से मारा पीटा और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। इस दौरान मेडिकल का गार्ड या कर्मी बीच-बचाव को नहीं आया। मैं बुरी तरह से डर गया था। मेरी बहन माया बाई के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की।

सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत- वार्ड की मौजूद सिस्टर की मदद से सीएम हेल्पलाइन 181 पर मैने शिकायत की। इसके बाद सीएसपी तुषार सिंह और गढ़ा पुलिस पहुंची। मेरी मां को मरचुरी में भिजवाते हुए मुझे सुरक्षित एक लॉज में रुकवाया। पूरी रात हम भाई-बहन दहशत में गुजार दिए। मोबाइल पर कई लोगों के धमकी भरे कॉल आते रहे। मुझे किसी तरह यहां से निकलवा दीजिए। रास्ते में मेरे साथ कोई अनहोनी न हो। महाकौशल में सबसे बड़ा अस्पताल जबलपुर मेडिकल कॉलेज है। आरोपियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मेरी मां की हत्या करने वालों को बख्शा न जाए। कार्रवाई नहीं हुई लोगों का मेडिकल कॉलेज से भरोसा उठ जाएगा। जैसा मेरे साथ हुआ, वैसा किसी और के साथ न हो।

पीएम के बाद शव लेकर भाई-बहन रवाना

गढ़ा पुलिस ने शव का पीएम कराने के बाद एम्बुलेंस से भाई-बहन को रवाना कर दिया। गढ़ा पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कही है। उधर, इस मामले को मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने गंभीरता से लिया है। संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सालय डॉ. अरविंद शर्मा ने घटना की निंदा करते हुए सुरक्षा एजेंसी को कार्रवाई कर रिपोर्ट मांगी है। वहीं, मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए गढ़ा थाने को पत्र लिखा है।

नव प्रदेश दैनिक अखबार में मार्केटिंग के लिए कुशल एवं अनुभवी व्यक्ति संम्पर्क करें, साथ ही समस्त जिले एवं ब्लॉक में संवाददाता नियुक्त करना है।
संम्पर्क करें:- नव प्रदेश कार्यालय
होटल सन पैलेस, भाटिया टायर के पीछे
पुराना बस स्टैंड, जबलपुर (म.प्र.)
फोन: 0761-4924975
मो. नं. 8319102513

1 ग्राम ए.डी. एवं फैंसी ज्वेलरी के थोक विक्रेता
पूजा जैसा कोई न दूजा
पूजा इमीटेशन
पेपर कटिंग लाने पर एक जोड़ी ईयर रिंग फ्री
1 ग्राम गोल्ड शोरूम
मात्र 800 की खरीदी पर एक आईक्रोनिक काजल फ्री
पता: चूड़ी गली, अन्नपूर्णा मार्केट, गंजीपुरा, जबलपुर (म.प्र.) मोः 9826243750

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 402, कौशल्या विहार, नेपियर टाउन 482001 प्रकाशित, संपादक-सुशील दत्त
प्रबंध संपादक- जगदीश सकतेल, सलाहकार संपादक-रविकरण साहू email: navpradeshjbp123@gmail.com फोन-0761-4924975